संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 241 गुरूवार 03 जुलाई 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

हिमाचल में बारिश का कहर

17 जगह फटे बादल,18 लोगों की मौत

शिमला,02 जुलाई 2025(ए)। हिमाचल प्रदेश में इस दिनों बारिश खूब तबाही मचा रही हैं । इसी बीच मंडी, कुल्लू और किन्नौर जिलों में बादल फटने की 17 घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें मंडी में अकेले 15 स्थानों पर बादल फटे। बारिश,बाढ़ और भूस्खलन ने प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। अब तक 18 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 33 लोग लापता हैं। दर्जनों घायल हैं और 332 से अधिक लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित निकाला गया है। भारी बारिश के चलते मंडी,कांगड़ा और हमीरपुर में सभी स्कूल बंद कर दिए गए हैं।

मंडी सबसे ज्यादा प्रभावित

मंडी जिले में सबसे अधिक तबाही हुई है। अकेले थुनाग उपमंडल के कुकलाह क्षेत्र में 24 लोग बह गए,जिनमें से अब तक 9 शव बरामद हुए हैं। गोहर, करसोग और धर्मपुर उपमंडल में भी जान-माल का भारी नुकसान हुआ है। 24 घर और 12 गोशालाएं पूरी तरह तबाह हो गई हैं। 30 मवेशियों की भी मौत हो चुकी है। पट्टीकरी प्रोजेक्ट समेत कई छोटे-बड़े पुल बह गए हैं।करसोग में नेगली पुल के पास बादल फटने से चार लोग लापता हैं और एक शव बरामद हुआ है। गोहर के स्यांज और बाड़ा गांव में घरों के ढहने से सात लोग मारे गए। धर्मपुर के स्याठी गांव में दो घर और पांच गोशालाएं तबाह हो गईं। ब्यास नदी और स्थानीय नालों ने भीषण रूप धारण कर कई बस्तियों को खाली करवाने पर मजबूर कर दिया।

कई हिस्सों में रेस्क्यू ऑपरेशन जारीं

एनडीआरएफ और प्रशासन ने मिलकर सैकड़ों लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला है। मंडी के टारना,पैलेस कॉलोनी और डाइट क्षेत्र में जलभराव के बीच 56 लोग रेस्क्यू किए गए। करसोग कॉलेज से 12 छात्रों और चार महिलाओं को बचाया गया। केलोधार,रिक्की और इमला खड्ड समेत कई स्थानों पर रेस्क्यू अभियान अब भी जारी है।

ईरान का खतरनाक प्लान का पर्दाफाश

समुद्र के भीतर बारूद छिपाकर भारत-चीन तेल मार्ग को उड़ाने की साजिश

ईरान 02 जुलाई 2025(ए)। 13 जून को इजरायली हमले और 22 जून को अमेरिकी जवाबी कार्रवाई के बीच ईरान में व्यापक तैयारियां चल रही थीं। यह होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की तैयारी थी।अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने दावा किया है कि ईरान ने पिछले महीने अपने नौसैनिक जहाजों पर पानी के नीचे की नौसैनिक बारूदी सुरंगें लोड की थीं। यह वही मार्ग है जिसके माध्यम से विश्व के तेल और गैस का पांचवां हिस्सा व्यापार किया जाता है।

होर्मुजः बारूद के साये में विश्व शक्ति की जीवन रेखा

होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है और केवल 34 किलोमीटर चौड़ा है। लेकिन इसका सामरिक और आर्थिक महत्व कहीं अधिक है। सऊदी अरब, इराक, कतर, संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत जैसे देशों से कच्चा तेल और गैस इसी मार्ग से आते हैं। यहां तक कि ईरान भी इस मार्ग पर निर्भर है। यही कारण है कि यदि यह मार्ग बंद हो जाए तो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति ध्वस्त हो सकती है और तेल की कीमतें आसमान छू सकती हैं। हालाँकि, अमेरिकी हमले के बाद अंतर्राष्ट्रीय कूटनीतिक दबाव और सैन्य सतर्कता ने कम से कम फिलहाल संकट को टाल दिया है।

उद्देश्य या मनोवैज्ञानिक युद्ध?

अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि ईरान ने बारूदी सुरंगें बिछाकर दो चीजें हासिल कीं। या तो वह वास्तव में शटडाउन की तैयारी कर रहे थे, या फिर वह अमेरिका और उसके सहयोगियों पर मनोवैज्ञानिक दबाव डालने की कोशिश कर रहे थे। ये आशंकाएं तब और प्रबल हो गईं जब ईरानी संसद ने 22 जून को होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने का प्रस्ताव पारित किया।

महत्वपूर्ण खबर

क्या कोरोना टीकों की वजह से अचानक मर रहे लोग

» एआईआईएमएस और आईसीएमआर की स्टडी में सामने आया ये कारण

नई दिल्ली,02 जुलाई 2025(ए)। केंद्रीय परिवार एवं स्वास्थ्य कल्याण मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि कोरोना वैक्सीन और हार्ट अटैक की वजह से होने वाली अचानक मौतों में कोई संबंध नहीं है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च और ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की ओर से किए गए गहन अध्ययन के आधार पर मंत्रालय ने यह बात कही है।

केंद्र सरकार आम लोगों को बड़ी राहत देने की तैयारी में

» जीएसटी में बड़ा बदलाव

नई दिल्ली,02 जुलाई 2025(ए)। जीएसटी को लेकर सरकार की बड़ी प्लानिंग है और इसके तहत मिडिल क्लास व लोअर इनकम ग्रुप वाले लोगों को राहत मिल सकती है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक,जल्द ही जीएसटी में बड़ी राहत दी जा सकती है और केंद्र सरकार जीएसटी रेट्स में कटौती की जा सकती है। ऐसा बताया जा रहा है कि मोदी सरकार जीएसटी स्लैब बदलने पर गंभीरता से विचार कर रही है और 12 फीसदी का जीएसटी सैलाब अब 5 फीसदी में आ सकता है।

तीन आरोपियों की हिरासत 8 जुलाई तक बढ़ी

लॉ कॉलेज ने मनोजीत मिश्रा को किया निलंबित

कोलकाता,02जुलाई 2025(ए)। कोलकाता में प्रथम वर्ष की लॉ कॉलेज की छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार के तीन आरोपियों की पुलिस हिरासत 8 जुलाई तक बढ़ा दी गई है।मुख्य आरोपी मनोजीत मिश्रा, जैब अहमद और प्रमित मुखर्जी को 26 जून को गिरफ्तार किया गया था।अदालत ने पहले उन्हें चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया था।इस बीच,शनिवार को गिरफ्तार किए गए कॉलेज सुरक्षा गार्ड पिनाकी बनर्जी की हिरासत भी 4 जुलाई तक बढ़ा दी गई है।

अमरनाथ यात्रा के लिए पहला जत्था रवाना

» उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने दिखाई हरी झंडी

» सुरक्षा के कड़े इंतजाम

जम्मू,02 जुलाई 2025(ए)। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा बुधवार को कड़ी सुरक्षा के बीच अमरनाथ तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को कश्मीर स्थित दो शिविरों के लिए झंडी दिखाकर रवाना किए। कश्मीर में 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर के लिए 38 दिवसीय तीर्थयात्रा तीन जुलाई को घाटी के दो रास्तों से शुरू होगी। इसमें अनंतनाग जिले में पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे

नुनवान-पहलगाम मार्ग है। वहीं गांदरबल जिले में छोटा (14 किलोमीटर) दूसरा मार्ग है, हालांकि, ये अधिक खड़ी चढ़ाई वाला बालटाल मार्ग। यात्रा का समापन नौ अगस्त को होगा। अधिकारियों के अनुसार, इस साल की यात्रा के लिए अब तक 3,31,000 से अधिक श्रद्धालु पंजीकरण करा चुके हैं। अधिकारियों ने बताया कि तीर्थयात्रा के लिए यहां आने वाले श्रद्धालुओं का मौके पर ही पंजीकरण भी शुरू कर दिया गया है। पिछले दो दिनों में करीब 4,000 टोकन बांटे गए हैं। जम्मू के संभागीय आयुक्त रमेश कुमार ने कहा कि यात्रा का पहला जत्था आज बुधवार को भगवती नगर स्थित जम्मू आधार शिविर से कश्मीर के लिए रवाना हो रहा है। इसे उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने हरी झंडी दिखाई।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा के कड़े इंतजाम

अधिकारियों ने बताया कि श्रद्धालुओं को भारी सुरक्षा व्यवस्था,यातायात पाबंदियों और जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था के बीच पहलगाम और बालटाल आधार शिविरों तक पहुंचाया जाएगा। एक यातायात अधिकारी ने बताया कि दो जुलाई से नौ अगस्त तक विभिन्न मार्गों पर यातायात पाबंदियां लगाई जाएंगी तथा असुविधा को कम करने के लिए हर रोज सूचना जारी किए जाएंगे।

केंद्र और हिमाचल सरकार आमने-सामने

» गडकरी ने दी चेतावनी

शिमला,02 जुलाई 2025 (ए)। हिमाचल प्रदेश में की एक घटना ने पूरे प्रशासनिक तंत्र और राजनीतिक वातावरण को हिलाकर रख दिया है। राज्य के पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह राणा पर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारी अचल जिंदल के साथ कथित रूप से मारपीट करने का गंभीर आरोप सामने आया है। यह घटना 30 जून को भट्ठाकुफर, शिमला में हुई,जहां मंत्री ने एक फोर-लेन परियोजना स्थल का दौरा किया था।घटना की जानकारी सामने आते ही पूरे तंत्र में हलचल मच गया। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने घटना को लेकर गंभीर चिंता जताई और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री से व्यक्तिगत तौर पर बातचीत की। गडकरी ने स्पष्ट रूप से कहा कि लोक सेवा में लगे अधिकारियों पर हमला लोकतंत्र और संस्थागत व्यवस्था दोनों का अपमान है। एनएचएआई के चेयरमैन संतोष कुमार यादव ने भी प्रदेश के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर उच्चस्तरीय जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने यह भी संकेत दिया है कि यदि ऐसे मामलों पर सख्ती से कार्रवाई नहीं हुई, तो राज्य में चल रही महत्वपूर्ण राष्ट्रीय परियोजनाएं बाधित हो सकती हैं।

पहली नौकरी मिलते सरकार युवाओं को देगी पैसा

» केंद्रीय कैबिनेट ने बड़ी योजनाओं को दी मंजूरी

नई दिल्ली,02 जुलाई 2025 (ए)। केंद्र सरकार ने कई बड़ी योजनाओं को हरी झंडी दी है। सरकार ने प्रोडक्शन लिंक्ड इन्सेंटिव की तर्ज पर एम्प्लॉयमेंट लिंक्ड इन्सेंटिव योजना को मंजूरी दे दी है। इसके तहत मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में संगठित और स्थायी रोजगार को प्रोत्साहन दिया जाएगा। इस योजना के तहत,सरकार कुल 1.07 लाख करोड़ रुपए का प्रोत्साहन देगी। रोजगार को प्रोत्साहन देने के लिए पहली नौकरी पर सरकार युवाओं को धनराशि देगी।वैष्णव ने बताया कि ईएलआई योजना के दो हिस्से होंगे पार्ट ए और पार्ट बी। पार्ट ए के तहत नई नियुक्ति करने पर सरकार कर्मचारी की एक महीने की सैलरी (अधिकतम 15 हजार रुपए) दो टुकड़ों में प्रोत्साहन के रूप में देगी। पहली हिस्सा नियुक्ति के छह महीने बाद, जबकि दूसरा हिस्सा नियुक्ति के 12 महीने बाद दिया जाएगा। जबकि पार्ट बी के तहत दो साल तक हर महीने 3000 रुपए का प्रोत्साहन दिया जाएगा। मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों को 4 साल तक यह प्रोत्साहन मिलेगा। पार्ट बी के तहत हर महीने प्रति कर्मचारी आनुपातिक प्रोत्साहन (अधिकतम 3000 रुपए) दो साल तक और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए 4 साल तक दिया जाएगा। यह राशि हर छह महीने पर चुकाई जाएगी। यह स्कीम दो साल के लिए होगी। यह उन्हीं कर्मचारियों पर लागू होगी, जिनकी मासिक सेलरी 1 लाख रुपए से कम हो। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने समग्र 'खेलो भारत नीति' को मंजूरी दी है।

सोनिया और राहुल गांधी पर ईडी का बड़ा आरोप

नई दिल्ली,02 जुलाई 2025 (ए)। दिल्ली की एक विशेष अदालत में नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस की आज (बुधवार) से दैनिक सुनवाई शुरू हो गई है। इस दौरान मामले की जांच कर रही एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय की तरफ से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल वी राजू ने दावा किया कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने ही 2000 करोड़ की संपत्ति हड़पने की साजिश रची थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड की संपत्ति को हड़पना चाहती थी, जिसकी कीमत करीब 2,000 करोड़ रुपये थी। इसके बाद एएसजी ने कहा कि यह साजिश सोनिया और राहुल गांधी द्वारा रची गई थी।

सिद्धारमैया ने खारिज की अनबन की अफवाहें

» बोले-पांच साल तक रहूंगा कर्नाटक का सीएम

» ढाई-ढाई साल का फार्मूला बकवास

मैसूर,02 जुलाई 2025(ए)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने नेतृत्व में बदलाव की अटकलों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि वह पूरे पांच साल तक मुख्यमंत्री बने रहेंगे। मैसूर में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा, हमारा सरकार पांच साल तक चट्टान की तरह मजबूत रहेगी। सिद्धारमैया ने बीजेपी और

जेडी(एस) पर निशाना साधते हुए कहा, क्या वे कांग्रेस हाईकमान हैं? जो अनबन की बातें फैला रहे हैं। उन्होंने डीके शिवकुमार के साथ किसी भी मनमुटाव की खबरों को बकवास बताया और दोनों ने हाथ उठाकर मीडिया के सामने एकजुटता दिखाई।

कुख्यात बदमाश ललित नेपाली का एनकाउंटर

नई दिल्ली,02 जुलाई 2025(ए)। दिल्ली से बड़ी खबर सामने आ रही है। दिल्ली पुलिस और एसटीएफ ने कुख्यात बदमाश ललित नेपाली का एनकाउंटर कर दिया है। मुठभेड़ ललित नेपाली घायल हो गया है। इलाज के लिए उसे

अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गनीमत रही इस मुठभेड़ में एसपी लाजपत नगर बुलेटप्रुफ जैकेट के कारण बाल बाल बचे। ललित नेपाली पर 12 से अधिम वारदातों में शामिल था। पुलिस के मुताबिक,साउथ-ईस्ट डिस्ट्रिक्ट एसटीएफ और सनलाइट कॉलोनी थाने की जॉइंट एक्शन में सराय काले खां बस स्टैंड के पास वांटेड अपराधी ललित के साथ मुठभेड़ हुई। करीब दो दर्जन अपराधों में शामिल और कई मामलों में कोर्ट द्वारा भगोड़ा घोषित ललित मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से घायल हो गया। मुठभेड़ में घायल ललित को एक मामले में 14 साल की जेल भी हो चुकी थी। पुलिस ने एनकाउंटर के बाद आरोपी के पास से एक सेमी ऑटोमैटिक पिस्टल और चार जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

एससी-एसटी कर्मचारियों के लिए सीधी भर्ती और प्रमोशन में आरक्षण लागू

नई दिल्ली,02 जुलाई 2025 (ए)। सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए अपनी सीधी भर्ती और प्रमोशन प्रक्रियाओं में अनुसूचित जाति (एससी) के लिए 15 प्रतिशत और अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के लिए 7.5 प्रतिशत आरक्षण की औपचारिक नीति को मंजूरी दे दी है। यह जानकारी 24 जून को सुप्रीम कोर्ट के सभी कर्मचारियों को जारी एक आधिकारिक सर्कुलर के माध्यम से दी गई। यह नई आरक्षण व्यवस्था 23 जून, 2025 से प्रभावी हो गई है। यह महत्वपूर्ण नीतिगत बदलाव सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों पर लागू नहीं होगा। इसके दायरे में रजिस्ट्रार,वरिष्ठ निजी सहायक, सहायक लाइब्रेरियन,जूनियर कोर्ट असिस्टेंट और चेंबर अटेंडेंट जैसे विभिन्न गैर-न्यायिक पद शामिल होंगे।

महिला शिक्षिका 11 वीं के छात्र के साथ यौन दुराचार के आरोप में गिरफ्तार

पांच सितारा होटलों में शराब पिलाकर बनाए सेक्स रिलेशन

मुंबई,02 जुलाई 2025(ए)। मुंबई के एक प्रतिष्ठित स्कूल की 40 वर्षीय महिला शिक्षिका को 11वीं के छात्र के साथ यौन दुराचार के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शिक्षिका के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। यह घटना पिछले एक साल से अधिक समय से चल रही थी, जिसमें शिक्षिका ने कथित तौर पर छात्र को दक्षिण मुंबई और हवाई अड्डे के पास स्थित पांच सितारा होटलों में ले जाकर यौन शोषण किया।

संपादकीय

ट्रंप को नोबेल नामित

पाकिस्तान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम की सिफारिश नोबेल शांति पुरस्कार-2026 के लिए की है। हालांकि ट्रंप ने कहा है कि वह कुछ भी कर लें उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिलेगा। ट्रंप पिछले दिनों भारत-पाकिस्तान संघर्ष के बाद के बाद कई दफा दावा कर चुके हैं कि उन्होंने ही दोनों पड़ोसी देशों के बीच संघर्ष रुकवाया था। हालांकि भारत सरकार ने उनके इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया। पिछले दिनों ट्रंप ने पाकिस्तान के कथित फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को दावत पर बुलाया था और उसके तीन दिन बाद ही शनिवार को पाकिस्तान सरकार ने कहा कि भारत के साथ संघर्ष में ट्रंप का हस्तक्षेप एक वास्तविक शांतिदूत के रूप में उनकी भूमिका और बातचीत के माध्यम से संघर्ष समाधान के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। ट्रंप ने हाल के समय में कई जगहों पर संघर्षरत देशों के बीच संघर्ष समाप्त करने में पहल की बातें कही हैं।रूस-यूक्रेन के बीच काफी समय से चले आ रहे युद्ध को रुकवाने की भी कोशिश की। यूक्रेन के राष्ट्रपति को बुला कर झिड़का भी, लेकिन युद्ध अभी तक थमा नहीं है। ट्रंप ने कहा कि वह कांगो और रवांडा के बीच संघर्ष को रोकने लिए अद्भुत संधि करा रहे हैं। ट्रंप नोबेल शांति पुरस्कार की लालसा को अरसे से अपने दिल में पाले हुए हैं,लेकिन वैश्विक घटनाक्रम के मद्देनजर उनकी लालसा पूरी होती दिखलाई नहीं पड़ रही। बीते चौबीस घंटे का घटनाक्रम तो एकदम से उनकी इच्छा पर कड़ा आघात करने वाला रहा।अमेरिका ने युद्धरत ईरान और इजरायल के बीच तनाव को कम करने की बात तो कही,मगर रविवार तड़के इजरायल की तरफ से ईरान पर बम डाल कर ईरान के तीन सामरिक ठिकाने नष्ट कर दिए। इस हरकत को युद्ध रुकवाने का कार्य तो नहीं ही कहा जा सकता।शांति तो वार्ता की टेबल पर होती है,लेकिन हमलावर होकर एक पक्ष का साथ देते हुए दूसरे पक्ष को शस्त्रविहीन कर देना शांति स्थापना करार नहीं दिया जा सकता। वैसे भी पाकिस्तान ने भले ही शांति के नोबेल के लिए ट्रंप को नामित करने की बात कही है, लेकिन उसके अपने देश में ही इसका तीव्र विरोध शुरू हो गया है।संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान की राजूदत रह चुकीं मलीहा लोधी ने एक्स पर लिखा है कि ट्रंप को नोबेल नामित करने संबंधी सरकार का फैसला दुर्भाग्यपूर्ण है।

महिला आरक्षण की दहलीज पर लोकतंत्र

प्रियंका सौरभ
आर्यनगर, हिसार (हरियाणा)

अब दलों को जिम्मेदारी उठानी होगी

2023 में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारत में राजनीति के स्वरूप को बदलने का ऐतिहासिक अवसर है। हालांकि इसका क्रियान्वयन 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले संभव है, लेकिन यह तभी सफल होगा जब राजनीतिक दल अभी से महिलाओं के लिए अनुकूल वातावरण बनाएँ। केवल आरक्षित सीटें देना पर्याप्त नहीं; दलों को आंतरिक कोटा, वित्तीय सहयोग,प्रशिक्षण,मेंटरशिप और निर्णयकारी भूमिका में महिलाओं को प्राथमिकता देनी होगी। अगर यह मौका चूक गया तो आरक्षण भी दिखावा बन जाएगा। समावेशी और सशक्त लोकतंत्र के लिए अब निर्णायक और नीतिगत पहल ज़रूरी है।

2023 में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम, यानी संविधान का 106वां संशोधन,भारत के लोकतांत्रिक ढांचे में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने का ऐतिहासिक प्रयास है। यह अधिनियम लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करता है,लेकिन इसकी सफलता महज संविधान में दर्ज होने से नहीं होगी—बल्कि इस पर अमल करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति से तय होगी। वर्ष 2029 के आम चुनावों में यदि यह आरक्षण प्रभावी होता है, तो यह न केवल भारत के लोकतंत्र के लिए निर्णायक मोड़ होगा, बल्कि महिलाओं के नेतृत्व की दिशा भी तय करेगा। इसके लिए राजनीतिक दलों को अभी से व्यापक और दूरदर्शी कदम उठाने होंगे।

भारतीय राजनीति में महिलाओं की उपस्थिति हमेशा सीमित रही है। 2024 में चुनी गई 18वीं लोकसभा में सिर्फ 74 महिलाएं चुनकर आईं, जो कुल सीटों का मात्र 13.6 प्रतिशत हैं। यह आंकड़ा 2019 की तुलना में भी घटा है और वैश्विक औसत 26.9त्न से काफी पीछे है। राज्य विधानसभाओं की स्थिति और भी चिंताजनक है, जहां औसतन केवल 9 प्रतिशत ही महिलाएं विधायक हैं। यह न केवल लैंगिक असमानता को दर्शाता है बल्कि नीति-निर्धारण की उस प्रक्रिया को भी प्रभावित करता है जिसमें आधी आबादी की हिस्सेदारी नगण्य है।

राजनीति में महिलाओं की भागीदारी के निम्न स्तर के कई सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक कारण हैं। सबसे बड़ा कारण है भारतीय समाज की गहरी पैठी हुई पितृसत्तात्मक सोच। महिलाओं को पारिवारिक भूमिकाओं तक सीमित कर दिया जाता है,जिससे नेतृत्व के अवसर स्वाभाविक रूप से पुरुषों को मिलते हैं। सरपंच पति जैसी प्रथाएँ इस सोच को और भी स्पष्ट करती हैं। राजनीतिक दलों के भीतर भी यह धारणा प्रचलित है कि महिलाएं चुनाव जीतने की दृष्टि से कमज़ोर प्रत्याशी होती हैं। लेकिन यह एक मिथक है,जिसे हाल के आंकड़े खारिज करते हैं। उदाहरण के लिए, 2024 लोकसभा चुनाव में महिलाएं केवल 9.6त्न उम्मीदवार थीं, लेकिन उनकी सफलता दर पुरुषों से अधिक थी। उन्होंने 13.6 प्रतिशत सीटें जीतीं।

महिलाओं के सामने आर्थिक संसाधनों की कमी भी एक बड़ी बाधा है। भारत में चुनाव लड़ना अत्यंत महंगा है, और अधिकांश महिलाएं—खासकर ग्रामीण व पिछड़े वर्गों से—स्वतंत्र रूप से इतने संसाधन नहीं जुटा सकतीं। इसके अलावा, राजनीति का वातावरण भी महिलाओं के लिए असुरक्षित और शत्रुतापूर्ण रहता है। उन्हें ट्रोलिंग, चरित्र हनन, और मानसिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है, जिससे उनका आत्मविश्वास डगमगाता है।

राजनीतिक दलों में महिलाओं के लिए मार्गदर्शन,प्रशिक्षित नेतृत्व विकास, और निर्णय लेने वाली इकाइयों में शामिल करने जैसी संस्थागत व्यवस्थाएँ भी अक्सर अनुपस्थित रहती हैं। महिला मोर्चा बनाकर उन्हें पार्टी के मुख्य ढांचे से अलग कर दिया जाता है,जिससे वे सत्ता के निर्णायक केंद्रों से दूर रह जाती हैं। 2029 के आरक्षण को सार्थक बनाने के लिए राजनीतिक दलों को अब से ही तैयारी करनी होगी। सबसे पहला कदम है—स्वैच्छिक आंतरिक कोटा। टिकट वितरण में 33 प्रतिशत महिला उम्मीदवारों को प्राथमिकता देना केवल आरक्षण की तैयारी नहीं, बल्कि समावेशी लोकतंत्र की दिशा में पहल होगी। ऑस्ट्रेलिया की लेबर पार्टी जैसी मिसालें बताती हैं कि आंतरिक कोटा राजनीति की संस्कृति को सकारात्मक रूप से बदल सकते हैं। दूसरा आवश्यक कदम है—वित्तीय सहायता और संरचित प्रशिक्षण। राजनीतिक दलों को महिला उम्मीदवारों के लिए अलग चुनावी फंड बनाना चाहिए ताकि वे चुनावी खर्च का बोझ उठा सकें। कनाडा का जूडी लामार्श फंड इसका अच्छा उदाहरण है। साथ ही, पंचायतों और नगरपालिकाओं में सक्रिय महिला प्रतिनिधियों को विधानसभा और संसद स्तर के लिए तैयार करने का नेतृत्व कार्यक्रम भी चलाया जाना चाहिए। महिलाओं को पार्टी की कोर कमेटियों, नीति निर्माण इकाइयों और प्रवक्ता मंडल में भी सक्रिय भूमिका देनी चाहिए। केवल महिला मोर्चा या सांस्कृतिक आयोजनों तक सीमित रखकर नेतृत्व नहीं उभरेगा। ढ्ढरूरू जैसी पार्टियों ने हाल ही में कोर नेतृत्व में महिलाओं को शामिल किया है—अन्य दलों को भी यही दिशा लेनी चाहिए। मेंटोरशिप भी एक सशक्त उपकरण हो सकता है। अनुभवी महिला नेता अगर नवोदित उम्मीदवारों को मार्गदर्शन दें,तो आत्मविश्वास, नीति की समझ, और रणनीतिक कौशल विकसित हो सकता है। इसके साथ ही,पार्टी के भीतर महिलाओं के खिलाफ उत्पीड़न या असम्मानजनक व्यवहार को रोकने के लिए सख्त आचार संहिता और त्वरित कार्रवाई की व्यवस्था ज़रूरी है। राजनीतिक दलों के प्रयासों के साथ-साथ मीडिया और नागरिक समाज की भी भूमिका अहम है। मीडिया को महिला नेताओं की नीतिगत भूमिका,वैचारिक दृष्टिकोण और सामाजिक योगदान पर केंद्रित करना चाहिए ना कि उनके पहनावे,निजी जीवन या विवादों पर। नागरिक संगठनों को भी प्रशिक्षण,जनजागरण और महिला नेतृत्व को प्रोत्साहित करने की दिशा में पहल करनी चाहिए। महिलाओं का राजनीति में प्रतिनिधित्व केवल लैंगिक समानता का सवाल नहीं, बल्कि लोकतंत्र की गुणवत्ता का भी मापदंड है। यदि प्रतिनिधित्व का आधार केवल पुरुषों की पहुंच और दबदबे तक सीमित रहेगा, तो लोकतंत्र का स्वरूप अधूरा ही रहेगा। महिला आरक्षण केवल एक नीति नहीं,बल्कि नेतृत्व को समावेशी, संवेदनशील और संतुलित बनाने का औजार है।

2029 का चुनाव भारत के लिए एक ऐतिहासिक अवसर लेकर आएगा। लेकिन यदि राजनीतिक दल अभी से महिला नेतृत्व को गढ़ने में निवेश नहीं करते—तो यह आरक्षण भी केवल सत्ता में वंशवाद और प्रतीकात्मकता का विस्तार बनकर रह जाएगा। अब वक्त है कि दल औरतों के लिए सीट छोड़ने की बात नहीं करें, बल्कि औरतों को नेतृत्व के लिए खड़ा करने की पहल करें। लोकतंत्र को मजबूत बनाने का यही असली रास्ता है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल,जनसरोकार के प्रतीक

हेमेन्द्र क्षीरसागर,
बालाघाट, मध्यप्रदेश

3 सितंबर 1964 को मथुरा में जन्में मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल वाणिज्य और कानून में जेएच गवर्नमेंट कॉलेज,बैतूल से स्नातक हैं। उन्हें संगठन निष्ठा, राजनीति और समाजसेवा के संस्कार अपने पिता विजय कुमार खंडेलवाल से विरासत में मिले। हेमंत खंडेलवाल को बैतूल में 'विकास पुरुष' कहा जाता है। विधायक रहते हुए उन्होंने कभी सुरक्षा गार्ड नहीं रखा। न ही गाड़ी पर नाम पट्टिका लगाई, सरकारी आवास लिया। वे हमेशा सादगी और सादा जीवन, उच्च विचार के मूल्यों पर चलते रहे। आज भी देर रात आमजन और पार्टी कार्यकर्ताओं से बात कर उनकी समस्या सुलझाते हैं। उन्होंने कदापि अपने आपको एक नेता नहीं अपितु कार्यकर्ता के तौर पर माना। यथेष्ट,उनको करीब से जानने वाले उन्हें राजनीति के संत और जनसरोकार के प्रतिक मानते हैं। स्तुत्य, भाजपा के संस्थापक सदस्यों में से एक, राष्ट्रवादी विचारधारा के प्रेरक विजय कुमार खंडेलवाल भाजपा से बैतूल सांसद रह चुके हैं। हेमंत खंडेलवाल अपने पिता के समय से ही जनसेवा के लिए समर्पित रहे। पिता के निधन से बैतूल लोकसभा सीट खाली हो गई। इस दौरान हुए उपचुनाव 2007 में भाजपा ने हेमंत खंडेलवाल को टिकट देकर चुनावी मैदान में उतारा और वे लोकसभा पहुंचे। इसके बाद 2010 से 2013 तक बैतूल के जिलाध्यक्ष रहे। 2013 से 2018 तक बैतूल से विधायक निर्वाचित हुए । 2014 से 2018 तक प्रदेश भाजपा के कोषाध्यक्ष रहे। 2021 पश्चिम बंगाल चुनाव में प्रवासी कार्यकर्ता का प्रभार मिला। 2022 उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में 15 जिलों के समन्वय प्रभारी बनाए गए। 2023 बैतूल विधान सभा से विधायक निर्वाचित हुए। वर्तमान में कुशाभाऊ ठाकरे ट्रस्ट के अध्यक्ष हैं। कर्तव्य निष्ठा, संगठन की गहरी समझ रखने वाले गंभीर व्यक्तित्व के धनी हेमंत खंडेलवाल ने अपने राजनीतिक जीवन में हमेशा जनता की समस्याओं को प्राथमिकता दी है। क्षेत्र के विकास,सड़क,शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और किसानों के मुद्दों पर वे हमेशा मुखर और सक्रिय रहे हैं। उनके प्रयासों से बैतूल में कई विकास योजनाएं क्रियान्वित की गईं, जिनका आमजन को सीधा लाभ मिला है। ऐसे अभूतपूर्व जनसेवा से उन्होंने अपनी पहचान बनाई। साथ ही प्रदेश एवं भाजपा के सभी जिला कार्यालय निर्माण संबंधी डिजाइन, निर्माण सहित अन्य व्यवस्थाओं को बखूबी देखते रहे। शायद प्रदेश में सबसे अच्छा डिजिटल और सटीक आंकड़ों या संपर्क के मामले में उनका स्वयं का कार्यालय है। जनता जनार्दन और कार्यकर्ताओं तक उनका सीधा संवाद उन्हें आम आदमी का खास मनाता है। वस्तुत आज के दौर में शुचिता की राजनीति ऐसी अनूठी मिसाल दुर्लभ है। संवाहक हेमंत खंडेलवाल जन सरोकारी जन प्रतिनिधि के साथ कुशल संगठक की निर्णायक भूमिका भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के दायित्व को संगठन ही सेवा और सेवा ही समर्पण के भाव से अक्षरशः निर्वहन करेंगे। तभी तो राजनीति के प्रतिस्पर्धा के समय में भाजपा जैसे 14 करोड़ प्राथमिक सदस्य वाली दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में उन्हें निर्विरोध निर्वाचित किया गया है। जो हेमंत खंडेलवाल के समर्पण और जनसेवा पर अपनी मुहर लगाता है। निश्चित ही आपके कुशल नेतृत्व में भाजपा प्रदेश में सबका साथ, सबका विश्वास, सबके प्रयास से अर्जित करेंगी। अभिभूत आपके भाजपा प्रदेशाध्यक्ष निर्वाचित होने से पार्टी में काम कर रहे हे आम कार्यकर्ताओं में यह संदेश जाएगा कि आज हम जो संगठन और जन सेवा कर रहें हैं उसका परिणाम अवश्य सम्मानित होता है जो आपके नव दायित्व से परिलक्षित होता है।

शांति से काम लें और असलियत को समझें

संजय गोस्वामी
मुंबई,महाराष्ट्र

आज विज्ञान का युग इतना बढ़ गया है कि हर तरफ विज्ञान का डंका बजाने वाले देश अब विज्ञान से विनाश की ओर जा रहे हैं। आदमी सुबह उठता है रात में आराम करता है। बाद में जब घर आता है तो हर तरफ युद्ध का समाचार सुन-सुन कर बोर होने लगता है। इससे पहले था ब्लैक एंड वाइट टीवी का जिसमें लोग एक चैनल देखते थे और टीवी से ख़ुशी मिलती थी। टीवी मनोरंजन हेतु होता है। दूसरे देश का युद्ध से हमारा क़ोई लेना-देना नहीं है इससे लोग उब चुके है और जब वही चीज बार-बार सुनने क़ो मिलता है तो और भी गुस्सा आता है और टीवी क़ो बन्द कर देते है। हैरानी की बात यह है कि सभी में एक ही चीज चलता है ख़ासकर इजराइल और ईरान का युद्ध जो यहाँ से बहुत दूर है । अब तो छोटे देश अर्मेनीया और रूस का भी समाचार मिल रहा है जबकी बीते 3 साल से रूस और यूक्रेन का लागातार युद्ध देख-देख कर लोग उब चुके है और देश में चुनाव से लेकर 15 साल पूरानी गाड़ी क़ो दिल्ली में पेट्रोल नहीं मिलेगा। रेल में किराया बढ़ गया। मस्जिद से लाउडस्पीकर हटाकर मोबाइल पर सुने आजान ये सब तमाम खबरें बकबास नजर आती है क्योंकि उससे आपको क्या मिला। हाँ ये दिखाया जाए पढ़ाई कैसे की जाए रोजगार कैसे मिले तो सभी के लिए लाभकारी होगा। भगवान राम के बारे में कुछ दिखा दो लोगों क़ो शौक नहीं है। पुरानी गाड़ी पर चलने का लेकिन उनकी इनकम और खर्च देखिए और गाड़ी फ्री में तो नहीं मिल रही है धर्म में कौन क्या कर रहा है इससे क्या लेना। डेन्स धर्म वास्तव में सही ज्ञान धारण करना है। अपने आप क़ो पहचानने का सही संदेश है लोगों का अपना-अपना धर्म है और वो कर्म करने का रास्ता बतलाता है और जैसा कर्म करोगे वैसा फल देगा भगवान। ये गाना भी सुना होगा भगवान श्री राम के बारे में कुछ लोग समझना पसंद करते हैं कुछ नहीं। कहते हैं ऐ नया जमाना है। समय अब बदल गया है और आज तो न्यूज में ये सुनाई देती है कि पति ने पत्नी से तंग आकर आत्महत्या कर लिया और नबी किया है तो हत्या कर दिया गया। आदमी की भावना समझना चाहिए। एक पैसा कितनी मेहनत से कमाता है और जब पानी में बहता देखता है तो स्वभाविक है कि वह तंग हो जायेगा। अतः हमें बच्चों में अच्छा संस्कार देना चाहिए टीवी से दूर रख कर पढ़ाई में मेहनत करोगे तभी सफलता हासिल होगी और आगे बढ़ने का मौका मिलेगा और वही देश की सेवा में काम आएगा। भगवान राम जैसे पहले दिखते थे वैसे आज भी दिखते हैं लेकिन पहले लोगों में आस्था प्रबल थी इसलिए जब रामानन्द सागर की फ़िल्म रामायण टीवी पर आयी तो पूरा दुकान बन्द और रोड पर रामायण देखने के लिए सब दुकान बन्द कर देते थे जैसे मानी कर्फ़ू लगा है। समय भी वही है पहले भी घंटा में 60 मिनट होते थे वो आज भी उतना ही हैं कुछ बदला है तो समय का चक्र। और वह किसी का इंतज़ार नहीं करता इसलिए समय नहीं लोग बदल गए हैं जिसे सुधारने की आवश्यकता है पढ़ाई करना साथ-साथ मानवता की रक्षा लोगों क़ो मदद करना गरीबों की सेवा करना माता-पिता की सेवा करना ही हमारा धर्म है। भगवान श्री राम भी यही संदेश दिए हैं और आप इस दुनिया से आखिर लेकर क्या करने जा सकते हैं। अपना कर्म माता-पिता की सेवा मानवता की रक्षा करना ही आपकी असली पूंजी है जो स्पस्ट रूप से दिखाई तो नहीं देती लेकिन यही सत्य है। अतः धन-दौलत हीरा-जवाहरात ये सब आकर्षित करते हैं और समय पर काम भी आते हैं लेकिन कुछ समय के लिए बाद में नस्ट होना तय है। लेकिन जो गरीब है उसे भी ईश्वर उसको बचाता है और समय पर काम आता है शरीर क़ो बनाने वाला ही शरीर क़ो ठीक करना जानता है और असंभव क़ो संभव बनाता है। प्रभु राम के चरण के स्पर्श मात्र से अहिल्या क्यों जीवित हो गई क्योंकि भगवान राम इतने पवित्र थे और 14 साल पैदल चलने के कारण उनके चरणों में सकारात्मक ऊर्जा निकलती है जो हर दोष क़ो दूर करती है । इसलिए अपने क़ो समझने की कोशिश करें। भगवान श्रीराम भारतीय संस्कृति और धर्म के आधार स्तंभ माने जाते हैं। उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम इसलिए कहा जाता है क्योंकि उन्होंने अपने पूरे जीवन में धर्म, सत्य, कर्तव्य और मर्यादा का पालन किया। श्रीराम का जीवन केवल एक कथा नहीं, बल्कि एक प्रेरणा है, जिससे हम जीवन में आदर्श व्यवहार, संयम, और सत्य की राह पर चलने की सीख ले सकते हैं। श्रीराम त्रेतायुग में अयोध्या के राजा दशरथ और माता कौशल्या के पुत्र थे। वे विष्णु के सातवें अवतार माने जाते हैं, जिनका जन्म पृथ्वी से अधर्म और असत्य को समाप्त करने के लिए हुआ था। रामायण में महर्षि वाल्मीकि ने उनके जीवन का विस्तार से वर्णन किया है। राम का जीवन आदर्श पुत्र, आदर्श पति, आदर्श भाई, और आदर्श राजा का उदाहरण है। श्रीराम के जीवन से हमें कई महत्वपूर्ण बातें सीखने को मिलती हैं। उन्होंने हर परिस्थिति में अपने कर्तव्यों का पालन किया और धर्म के मार्ग से कभी विचलित नहीं हुए। जब पिता दशरथ ने उन्हें 14 वर्षों के लिए वनवास जाने का आदेश दिया, तब उन्होंने बिना किसी प्रश्न के आज्ञा का पालन किया। इससे हमें सिखने को मिलता है कि माता-पिता की आज्ञा का पालन करना हमारे कर्तव्य में शामिल है। वनवास के दौरान उन्होंने कई कठिनाइयों का सामना किया,लेकिन कभी भी धैर्य नहीं खोया। माता सीता के हरण के बाद भी उन्होंने क्रोध में आकर अनुचित मार्ग नहीं अपनाया, बल्कि धैर्य और रणनीति से कार्य किया। इससे हमें धैर्य और संयम का मूल्य समझने को मिलता है।

बोइंग की कार्यक्षमता पर उठते सवाल

अहमदाबाद में हुई भयानक विमान दुर्घटना के बाद भारत सरकार ने दुर्घटना की जांच के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित की है, और विमान निर्माण कंपनी बोइंग ने भी सहयोग की पेशकश की है।बोइंग रसूखदार कंपनी है। बावजूद इसके बोइंग की कार्यक्षमता पर सवाल उठते रहे हैं। सोशल मीडिया पर एक फिल्म वायरल हो रही है कि बोइंग कंपनी के ही एक इंजीनियर जॉन बार्नेट, जिन्होंने बोइंग की अंदरूनी क्षमताओं पर महत्त्वपूर्ण सवाल उठाए थे, 2024 में रहस्यमय परिस्थितियों में बोइंग कंपनी की ही कार पार्किंग में मृत पाए गए थे। जब किसी विमान दुर्घटना में पायलट भी मारे जाते हैं, तो चलन है कि पावरफुल लॉबी सांठ-गांठ करके जांच का रुख इस तरह मोड़ देती हैं कि दुर्घटना के लिए पायलट को ही जिम्मेदार ठहराया जाता है क्योंकि वो अपना पक्ष रखने के लिए अब जीवित नहीं होता। इसलिए जरूरी है कि जांच एजेंसियां इस दुर्घटना की ईमानदारी से जांच करें। दुनिया भर में लाखों लोग बोइंग कंपनी के विमानों में रोज उड़ रहे हैं। उनकी सुरक्षा के हित में भी यह जरूरी है। बोइंग अपने विरु द्ध अक्सर लगाए जाने वाले आरोपों का स्पष्ट जवाब दे और यदि निर्माण प्रक्रिया में खामियां हैं, तो उन्हें अविलंब सुधारे।12 जून, 2025 को अहमदाबाद में हुई भयानक विमान दुर्घटना में जीवित बचे विश्वास कुमार रमेश ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। एयर इंडिया की फ्लाइट 1171 के दुखद हादसे में 242 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों में से 241 की मौत हो गई और केवल एक यात्री, विश्वास कुमार रमेश जीवित बचे। यह घटना विमान दुर्घटनाओं में एकमात्र बचे लोगों की उन असाधारण कहानियों में से एक है, जो न केवल चमत्कार को दर्शाती हैं, बल्कि मानव की जीवटता और भाग्य की अनिश्चितता को भी उजागर करती हैं।विश्वास कुमार रमेश, 40 वर्षीय ब्रिटिश नागरिक हैं, जो भारतीय मूल के हैं। उस दिन सीट नंबर 11ए पर बैठे थे, जो एक आपातकालीन निकास द्वार के पास थी। हादसे के तुरंत बाद विश्वास ने भारतीय मीडिया को बताया, मैं नहीं समझ पा रहा कि मैं कैसे बच गया। सब कुछ मेरी आंखों के सामने हुआ। मैंने सोचा कि मैं भी मर जाऊंगा लेकिन जब मैंने आंखें खोलीं तो खुद को जिंदा पाया।' उन्होंने बताया कि उनकी सीट के पास का हिस्सा जमीन पर गिरा और आपातकालीन निकास द्वार टूट गया था, जिसके कारण वे बाहर निकल पाए। विमान दुर्घटनाओं में एकमात्र बचे लोगों की कहानियां बेहद दुर्लभ हैं, लेकिन ये मानव की जीवटता और कभी-कभी भाग्य के खेल को दर्शाती हैं।

-विनीत नारायण-

कविता

कविता
तालमेल नहीं कर सकता ...

घटती-घटना

अनिल कौशिक
क्योड़क कैथल
हरियाणा

कोठी बंगला झोंपड़ छप्पर से तालमेल नहीं कर सकता।
शाने अमीरी प्यार गरीब से तालमेल नहीं कर सकता।
पतझड़ में बहार का खिलना तालमेल नहीं कर सकता।
बुढ़ापे में जवानी का आना तालमेल नहीं कर सकता।
मधुपान जायका कड़वाहट तालमेल नहीं कर सकता।
सज्जन से दुर्जन का संगत तालमेल नहीं कर सकता।
मेहनती जोश आलस्य से तालमेल नहीं कर सकता।
साधक राह बाधा मंजिल से तालमेल नहीं कर सकता।
स्तुति में निंदक से बदला तालमेल नहीं कर सकता।
ईमानदार को घूस खिलाना तालमेल नहीं कर सकता।
सूरज को दीपक देख अंधेरा तालमेल नहीं कर सकता।

कविता
मीडिया वालों को मैने देखा है...

घटती-घटना

चंद्रकांत खूंटे
जांजगीर
चाम्पा,छत्तीसगढ़

मीडिया वालों को लहंगा उठाकर नाचते हुए
तो किसी को घाघरा पहनकर
ठुमका लगाते हुए सत्ता के दरबारों में
शासन की नजरिया को पेश करते हुए
आगे-आगे चलकर
अपने ही बिरादरी वालों से रेस करते हुए
कोई इशारों ही इशारों में नाच रहा है
तो कोई उनकी भाव को
बढ़-चढ़के बाँच रहा है
कोई मदमस्त होकर झूम रहा है
तो कोई लेटकर चरण को चूम रहा है
कोई सत्यवादी का मुखौटा और
मेकअप लगा के घूम रहा है
तो कोई खुद को रेटिंग देते हिला दुम रहा है
वह देश का चतुर्थ स्तंभ है
तथा जनता-जनार्दन की बोली
सत्यता का पक्ष लेने के बजाय
अशर्फियों में भर रहे भयंकर झोली
जनता भी क्या करेगी? देख रही मनोरंजन की तरह
अब देश बचे,चाहे बिके यह धरा।।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

CMYK

जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का हुआ आयोजन...

नव प्रवेशी बच्चों को तिलक लगाकर और मिठाई खिलाकर कराया गया शाला प्रवेश

- सरस्वती सायकल योजना के तहत 9 वीं कक्षा की छात्राओं को किया गया सायकल का वितरण
- बोर्ड परीक्षाओं एवं विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले हुए सम्मानित
- पाठ्यपुस्तक एवं गणेवश किए गए वितरित

अम्बिकापुर,02 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

जिला स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव का आयोजन बुधवार को अम्बिकापुर के राजमोहिनी देवी भवन में किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में सांसद सरगुजा श्री चिंतामणि महाराज उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलन कर की गई। कार्यक्रम में अतिथियों के द्वारा नवप्रवेशी नन्हें बच्चों को तिलक लगाकर,मिठाई खिलाकर शाला प्रवेश करवाया गया। इस दौरान बच्चों को पाठ्य पुस्तकें,गणवेश एवं अन्य सामग्रियां प्रदान की गई तथा उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं गई। सांसद श्री चिंतामणि ने अपने उद्बोधन में नवप्रवेशी बच्चों को शुभकामनाएं दीं तथा उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि विद्याधन एक ऐसा धन है,जिसे जितना बांटा जाए यह और बढ़ता है। दुनिया में बाकी जितने भी धन है, वह चोरी हो सकते हैं। परन्तु विद्याधन आपसे कोई नहीं छीन सकता। इसलिए सभी अच्छे से पढ़कर ज्ञान हासिल करें और अपने देश का,माता-पिता का नाम रोशन करें। उन्होंने शिक्षकों से आग्रह करते हुए कहा कि बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ उनकी रुचि के अनुसार खेल सहित अन्य गतिविधियों में भी आगे लाने प्रेरित करें। अम्बिकापुर विधायक श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि आज शासन बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने हेतु निरंतर प्रयासरत है। इसी का परिणाम है कि हम पूर्ण साक्षरता की ओर आगे बढ़ रहे हैं। हम सब मिलकर प्रयास करेंगे तो शत-प्रतिशत साक्षरता के लक्ष्य को प्राप्त कर पाएंगे,उन्होंने कहा कि बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ और भी ज्ञान देना जरूरी है। लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज ने कहा कि हम सब नव प्रवेशी बच्चों का स्वागत कर शाला प्रवेशोत्सव मनाते हैं,यह उत्सव का दिन है, गौरवान्वित होने का दिन है। शिक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने बच्चों को कहा कि हमें लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए कि क्या करना है,किस दिशा में जाना है तभी हम सफल हो पाएंगे। इस अवसर पर कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने कहा कि शिक्षा के बिना जीवन अधूरा है। शिक्षा एक ऐसा पारस है जिसे जो स्पर्श करेगा वो सोना बन जाएगा। जिस तरह एक पौधे को पेड़ बनने के लिए पानी मिट्टी की आवश्यकता होती है, उसी तरह बच्चे को आगे बढ़ने के लिए शिक्षा की जरूरत होती है, जो उसे शाला से प्राप्त होती है। इसलिए सभी अपने बच्चों को शाला अवश्य भेजें। हमारा पूरा प्रयास रहेगा कि बच्चों को सभी सुविधाएं मिले। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने नृत्य एवं नाटक की प्रस्तुति के माध्यम से शिक्षा के महत्व को बताया। इस दौरान बच्चों के द्वारा निर्मित विभिन्न सामग्रियों के स्टॉल भी लगाए गए। इस दौरान सरस्वती सायकल योजना के तहत 9वीं कक्षा की छात्राओं को सायकल वितरण किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरुपा सिंह,उपाध्यक्ष श्री देवनारायण यादव,नगर निगम सभापति श्री हरमिंदर सिंह, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती पायल सिंह तोमर,श्रीमती दिव्या सिंह सिसोदिया,श्रीमती राधा रवि,सुश्री रतनी नाग, पार्षद श्री आलोक दुबे,कलेक्टर श्री विलास भोसकर,जिला शिक्षा अधिकारी श्री अशोक सिन्हा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

बोर्ड परीक्षाओं एवं विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले हुए सम्मानित

इस दौरान छत्तीसगढ़ बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाली बालिकाओं को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। जिसमें कक्षा 10 वीं से श्रेयारानी, भूमिका राजवाड़े, दिव्या चौहान, खुशबु बारिक तथा कक्षा 12वीं से सावित्री सिंह, वंशिका गुप्ता, लक्ष्मी यादव शामिल है। कार्यक्रम में 68वीं राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ी सम्मानित हुए, जिनमें बास्केटबॉल (14 वर्ष बालिका) में गोल्ड मेडल प्राप्त करने पर अनामिका चौबे, फेसिंग(19वर्ष बालक) में सिल्वर मेडल प्राप्त करने पर शौर्य सराफ, हैंडबॉल (14 वर्ष बालिका) में गोल्ड मेडल प्राप्त करने पर गायत्री साय एवं अनुराधा खलखो तथा नेटबॉल (17 वर्ष बालक) में सिल्वर मेडल प्राप्त करने पर ओम प्रकाश यादव सम्मानित हुए। वहीं छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय स्पेशल ओलंपिक प्रतियोगिता 2025 में संध्या ठाकुर को 100 मीटर रेस (अन्डर 17) में प्रथम एवं साइकलिंग (अन्डर 17) में द्वितीय स्थान, कु. उजाला को 100 मीटर रेस (अंडर 17) में द्वितीय एवं मनिषा को 100 मीटर रेस (अंडर 14) में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया।

एसपी ने ली पुलिस अधिकारियों की समीक्षा बैठक,दिया कई निर्देश

अम्बिकापुर,02 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार अग्रवाल के दिशा निर्देशन में बुधवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभाकक्ष में राजपत्रित पुलिस अधिकारियों समेत समस्त थाना/चौकी प्रभारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। समीक्षा बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा द्वारा थानावार लंबित अपराध, चालान, शिकायत,मर्ग की जानकारी थाना/चौकी प्रभारियों से ली गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा द्वारा प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अपराधों के त्वरित निराकरण करने के दिशा निर्देश दिए गए,विवेचको कों प्रकरण कों अनावश्यक लंबित ना रखने की सख्त समझाईस दी गई। आगामी मोहर्रम त्यौहार के मद्देनजर सभी थाना/चौकी प्रभारियों कों अपने अपने थाना/चौकी छेत्रो मे शांति समिति की बैठक का आयोजन कर व्यवस्था बनाये रखने हेतु निर्देशित किया गया, मोहर्रम पर्व के दौरान निकाली जाने वाली जुलूस के दौरान सभी पुलिस अधिकारी/कर्मचारियों कों सतर्कता से ड्यूटी करने एवं रैली के आगे एवं पीछे पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने के निर्देश दिए गए,हिट एंड रन के प्रकरणों के थाना चौकी प्रभारियों कों घटना की सूचना मय प्रतिवेदन एसडीएम कार्यालय कों भेजनें हेतु निर्देशित किया गया,जिससे आहत एवं मृतको के परिजनों कों राहत राशि समय पर प्रदान किया जा सके। समीक्षा बैठक के दौरान सभी थाना/चौकी प्रभारियों कों अभियान मुस्कान के तहत अधिक से अधिक संख्या मे नाबालिग गुमशुदा बालक बालिकाओं की दस्तयाबी करने के निर्देश दिए गए, थाना/चौकी प्रभारियों कों अभियान तलाश एवं वारंट तामिली अभियान के तहत अच्छी कार्यवाही करने वाले पुलिस अधिकारियो/कर्मचारियो की सूची कार्यालय भेजनें हेतु निर्देशित किया गया जिससे बेहतर कार्य करने वाले पुलिस अधिकारी/कर्मचारियों कों इनाम देकर प्रोत्साहित किया जा सके। थाना/चौकी छेत्रो मे प्राथमिक स्तर पर ही जनमानस की समस्याओ कों सुनकर संवेदनशीलता के साथ मामलो का निराकरण करने निर्देशित किया गया, फरियादियों की समस्याओं का मौक़े पर निराकरण किये जाने से आमनागरिकों का पुलिस के कार्यवाही के प्रति विश्वास उत्पन्न होता हैं,जिससे पुलिसिंग व्यवस्था सुदृढ़ होंगी। समीक्षा बैठक के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लों, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सीतापुर राजेंद्र मंडावी,स्टेनो निरीक्षक (एम) फबियानुस तिर्की,थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक मनीष सिंह परिहार, थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक प्रदीप जायसवाल,रीडर सहायक उप निरीक्षक अमित पाण्डेय एवं समस्त थाना/चौकी प्रभारी उपस्थित रहे।

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल अंबिकापुर में पदस्थ उप निरीक्षक से 22 लाख की ऑनलाइन ठगी

अम्बिकापुर 02 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल अंबिकापुर में पदस्थत उप निरीक्षक से 22 लाख रुपए ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। उसने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाने में दर्ज कराई है। पुलिस अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार आर महेन्द्रन पिता के रामास्वामी उम्र 55 वर्ष केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल अंबिकापुर में उपनिरिक्षक के पद पर पदस्थ है। 5 जून की सुबह करीब 9.23 बजे सीआरपीएफ कैंप अंबिकापुर में था। तभी अज्ञात व्यक्ति इसके मोबाइल पर फोन कर बताया कि टेलीकॉम डिपार्टमेंट गोर्वमेंट ऑफ इंडिया दिल्ली से रविशंकर बोल रहा हूं। आपके आधार से सीम कार्ड लिया गया है और उक्त सीम से गैर कानूनी काम हो रहे हैं। सीम को दो घंटे में बंद कर दिया जाएगा और इसकी रिपोर्ट दिल्ली पुलिस में की जा रही है। कुछ देर बाद पुन- दिल्ली पुलिस के नाम पर एक व्यक्ति ने फोन कर सीआरपीएफ एसआई का नाम पूछा। इसके बाद इसके मोबाइल पर वीडिया कॉल किया। सामने वाला व्यक्ति पुलिस यूनिफॉर्म में था। आपना आइडी दिखाते हुए कहा कि आपके आधार से बैंक ऑफ बॉरोदा नेहरू पैलेस दिल्ली में 23 जनवरी 2025 को खाता खोला गया है। जिसमें गैर-कानूनी रुपयों का लेन-देन हो रहा है। सीआरपीएफ जवान ने बताया कि वह मेरा खाता नहीं है। इसके बाद सामने वाला व्यक्ति ने कहा कि इस खाते में लगभग 2 करोड़ रुपए का लेन देन हुआ है। मामले में पकड़ा गया आरोपी बताया है कि खातेधारक को 10 प्रतिशत दिया गया है। फ्रॉड ने कहा कि आपके खाते का वेरिफिकेशन होगा। सामने वाला व्यक्ति आरबीआई का

अलग-अलग खाता नंबर देकर वेरिफकेशन के नाम पर रुपए ट्रांजेक्शन करने को कहा। वेरिफिकेशन के बाद 72 घंटे के अंदर रुपए वापस खाते में भेज दिया जाएगा। फिर इसी वीडिया कॉल पर डीसीपी सीबीआई के नाम पर दूसरा व्यक्ति बात करने लगा। इसने सीआरपीएफ जवान को एक खाता नंबर दिया। और उसमें 49 हजार 999 रुपए 6 जून को डालने के लिए बोला। सीआरपीएफ एसआई ने दिए गए खाते में सैलरी अकाउंट से ट्रांसफर कर दिया। इसके बाद सामने वाला व्यक्ति ने सीआरपीएफ जवान को कहा कि तुम्हारे खाते में जितना पैसा है उसका वेरिफिकेशन किया जाएगा। सीआरपीएफ जवान ने डर से अपने खाते का 2 लाख 54 हजार 648 रुपए दिए गए अलग-अलग खाते में ट्रांसफर कर दिया। इसके बाद फ्रॉड द्वारा 8 जून को पुनः फोन कर सीआरपीएफ एसआई को बताया गया कि वेरिफिकेशन में 17 हजार आराधी के खाते से मैच करता है। जिसमें आपके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस बनता है। और आज शाम तक गिरफ्तारी की जाएगी। फिर भी आपको बचाने की कोशिश की जागएगी। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट में बात करूंगा। इसके बाद फोन कट कर दिया और थोड़ी देर बाद पुनः कॉल कर बताया गया कि तुम कल तक 10 लाख रुपए का इंतेजाम करो और तुम्हारे परिवार का खतरा हो सकता है इस बात को किसी से मत बताना। सीआरपीएफ डर से किसी को नहीं बताया और हर घंटे व्हाट्सऐप पर अपना रिपोर्ट देते रहना। 9 जून को पुनः फोन आया और कहा गया कि रुपए की व्यवस्था हुई की नहीं। सीआरपीएफ एसआई के मना करने पर कहा गया कि 10 लाख नहीं दोगे तो बेल नहीं हो पाएगा और शाम तक गिरफ्तारी कर ली जाएगी। डर से सीआरपीएफ जवान ने पत्नी का जेवर बैंक में गिरिवी रखवाकर दस लाख रुपए दिए गए खाते नंबर में ट्रांसफर करवाया। 10 जून को पुनः फोन कर बताया गया कि बेल मिल गया है। सामने वाला व्यक्ति ने बेल नोटिस सीआरपीएफ जवान के व्हाट्सऐप पर भेजा। इसके बाद 11 जून को पुनः फ्रॉड ने सीआरपीएफ जवान को फोन कर बताया कि तुम्हारा व तुम्हारे परिवार के सदस्यों का एफडी व इंसोरेंश का भी वेरिफिकेशन किया जाएगा। इसके लिए 7 लाख रुपए व्यवस्था करने को बोला गया। तभी छुटकारा मिलने की बात कही गई। सीआरपीएफ एसआई ने डर कर अपने बेटे का एफडी तोड़कर 5 लाख 11 सौ 40 रुपए दिए गए खाते में ट्रांसफर करा दिया। इसके बाद फ्रॉडों ने कहा कि वेरिफिकेशन के बाद आपके सारे रुपए वापस जिस-जिस खाते से आए हैं कर दिया जाएगा। केवल 18 हजार रुपए वापस नहीं किए जाएंगे। क्योंकि ये रुपए अपराधी के बातों से मैच कर रहा है। इसके बाद फ्रॉड का मोबाइल बंद हो गया। सीआरपीएफ एसआई को ठगी होने का एहसास हुआ। इसके बाद उसने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाने में दर्ज कराई है। पुलिस ने अज्ञात मोबाइल धारकों के खिलाफ धारा 66 (डी) व 118 (4) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

मैनपाट विकासखंड में उल्लास साक्षरता सर्वे प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

- असाक्षरों को साक्षर बनाने की दिशा में पहल
- असाक्षरों एवं स्वयंसेवी शिक्षकों का चिन्हांकन

अम्बिकापुर,02 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की अनुशंसाओं के अनुरूप उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत मैनपाट विकासखंड में 15 वर्ष से अधिक आयु के असाक्षरों को साक्षर बनाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मैनपाट विकासखंड के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय कमलेश्वरपुर में शिक्षकों का उल्लास सर्वे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जारी आदेशानुसार 30 जून 2025 से 15 वर्ष या उससे अधिक आयु समूह के असाक्षरों और स्वयंसेवी शिक्षकों का चिन्हांकन कार्य प्रारंभ किया जाएगा। चिन्हांकन के उपरांत शिक्षार्थियों का पंजीयन उल्लास पोर्टल पर किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में शिक्षकों को राष्ट्रीय साक्षरता मिशन के विभिन्न घटकों जैसे बुनियादी साक्षरता एवं

संख्यात्मक ज्ञान जीवन कौशल (डिजिटल साक्षरता, वित्तीय साक्षरता, चुनावी साक्षरता, स्वास्थ्य व स्वच्छता), व्यवसायिक कौशल, बुनियादी शिक्षा व सतत् शिक्षा की जानकारी दी गई। विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने बताया कि ग्राम पंचायत स्तर पर प्रत्येक माह के प्रथम सोमवार को एवं विकासखंड स्तर पर प्रत्येक माह के प्रथम बुधवार को नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित की जाएंगी। उन्होंने सभी नामांकित शिक्षकों से समयबद्धता से सर्वे पूर्ण कर पंजी संधारण व पोर्टल पर प्रविष्टि सुनिश्चित करने का आह्वान किया। इस प्रशिक्षण में संस्था प्रमुख श्री ए.पी सिह विकासखंड शिक्षा अधिकारी योगेश शाही विकासखंड परियोजना अधिकारी सत्यनारायण भगत जिला कार्यालय साक्षर भारत से अभिलाष खरे सहायक ग्रेड 3 उपस्थित रहे।

जंगली मशरूम खाने से 9 लोग बीमार

- सूरजपुर में 3 गांवों के लोगों ने खाई खुखड़ी की सब्जी
- फूड पॉइजनिंग से अस्पताल में भर्ती

सूरजपुर,02 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में जंगली मशरूम खाने से 9 लोग बीमार हो गए। डेडरी, सलका और कोरेया गांव के ये लोग जिला अस्पताल में भर्ती हैं। 1 जुलाई को इन लोगों ने जंगल से मशरूम लाकर सब्जी बनाई। दोपहर में खाना खाने के कुछ घंटों बाद सभी की तबीयत बिगड़ने लगी। उन्हें उल्टी आने लगी और चक्कर आने लगे। कुछ लोग बेहोश भी हो गए। शाम को सभी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के मुताबिक मरीजों में फूड पॉइजनिंग के लक्षण देखे गए है। पड़ोसी रामनाथ सिंह ने बताया कि प्रभावित लोग सुबह गेतरा और मानी के जंगलों से खुखड़ी लाए थे। एक ही परिवार के 5-6 सदस्य इस घटना में बीमार हुए हैं।

पहले भी हो चुकी है घटना

कुछ दिन पहले सूरजपुर जिले के सरहरी गांव में भी ऐसी ही घटना हुई थी। एक परिवार के चार लोग जंगली मशरूम खाने से बीमार हो गए थे। उन्हें अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। इनमें से एक महिला की हालत गंभीर थी। छत्तीसगढ़ के ग्रामीण इलाकों में लोग जंगल से खुखड़ी लाकर सब्जी बनाते हैं। लेकिन कई बार सही और जहरीले मशरूम की पहचान न होने से यह जान के लिए खतरा बन जाता है।

कक्षा तीसरी की छात्रा से बलात्कार के मामले में आरोपी को आजीवन कारावास

अम्बिकापुर,02 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

कक्षा तीसरी की छात्रा का अपहरण कर बलात्कार के मामले में न्यायालय ने आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने कहा है कि ऐसे अपराधी को दंड में नरमी दिखाये जाना समाज पर गलत संदेश जाएगा। वहीं कोर्ट ने क्षतिपूर्ती निधि से पीड़िता को 5 लाख रुपए दिए जाने की अनुशंसा की है। घटना 29 अप्रैल 2022 की है। पीड़िता अपनी सहेलियों के साथ गांव के ही एक व्यक्ति के घर शादी में खाना खाने गई थी। रात करीब 10 बजे सहेलियों के साथ वापस घर लौट रही थी। रास्ते में गांव के ही मनदीप लकड़ा पिता वितय लकड़ा उम्र 22 वर्ष ने लड़कियों को दौड़ाने लगा। अन्य लड़कियां भाग गईं। पर पीड़िता को वह पकड़ लिया और जंगल की ओर ले जाकर उसके साथ बलात्कार की घटना को कारियात किया। चिल्लाने की आवाज सुनकर कुछ लडके वहां पहुंचे तो आरोपी वहां से भाग गया। लडक़ों ने पीड़िता को घर पहुंचाया। इसके बाद घटना के दूसरे दिन पीड़िता ने पुलिस चौकी कुन्नी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया था। इसके बाद मामला अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रेक स्पेशल कोर्ट (पॉक्सो एक्ट) अंबिकापुर में चल रहा था। मामेल की सुनवाई करते हुए न्यायाधीश कमलेश जगदल्ला 2 जुलाई को सुनवाई करे हुए साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पदों पर भर्ती हेतु 17 जुलाई तक कर सकते हैं आवेदन

अम्बिकापुर 02 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

एकीकृत बाल विकास परियोजना के परियोजना अधिकारी ने बताया कि बाल विकास परियोजना अम्बिकापुर (शहरी) के अंतर्गत रिक्त आंगनबाड़ी केन्द्रों में कार्यकर्ता/सहायिका के रिक्त पदों हेतु खुली भर्ती हेतु नियुक्ति आवेदन पत्र 03 जुलाई से 17 जुलाई 2025 तक आमंत्रित किये गये हैं। उन्होंने बताया कि आंगनबाड़ी सहायिका के 02 पदों पर भर्ती की जानी है। जिसमें गुरू घासीदास वार्ड क्र. 19 आंगनबाड़ी केंन्द्र हेलियापार- 02 में 01 पद एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड क्र. 45 आंगनबाड़ी केंन्द्र भट्ठापारा में 01 पदों पर भर्ती की जानी है। उन्होंने बताया कि उक्त पदों पर केवल महिला ही आवेदन कर सकती है। वे अपना आवेदन पत्र बाल विकास परियोजना अम्बिकापुर (शहरी) कार्यालय में कार्य दिवस पर कार्यालयीन समय पर जमा अथवा पंजीकृत डाक द्वारा निर्धारित अवधि तक भेज सकती हैं। नियुक्ति की विस्तृत शर्तों एवं अहर्ताओं के सम्बन्ध में जानकारी परियोजना कार्यालय एवं नगर पालिक निगम अम्बिकापुर कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा कर दी गई है।

थाईलैंड में सिर्फ 24 घंटे के लिए पीएम बने सूर्या

मौसम वैज्ञानिक नाम से मशहूर, एक दिन पहले कोर्ट ने शिनवात्रा को हटाया था...

बैंकॉक,02 जुलाई 2025।

थाईलैंड में राजनीतिक उथल-पुथल के बीच बुधवार को सूर्या जुंगरुंगरेंगकिट को देश का कार्यवाहक प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया है। 70 वर्षीय सूर्या सिर्फ 24 घंटे के लिए प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी संभालेंगे। उन्होंने निलंबित प्रधानमंत्री पाइतोंग्तार्न शिनावात्रा की जगह ली है, जिन्हें संवैधानिक अदालत के आदेश के बाद पद से हटाया गया था। सूर्या को थाई राजनीति में 'मौसम विज्ञानी' कहा जाता है, क्योंकि वे हमेशा सत्ताधारी पार्टी के साथ सरकार में रहे हैं। बैंकॉक पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, थाईलैंड में गुरुवार को मंत्रिमंडल में फेरबदल होना तय है। गृह मंत्री फुमथम वेचायाचाई को उप प्रधानमंत्री के रूप में शपथ दिलाई जा सकती है। उनके कार्यभार संभालने के बाद सूर्या का कार्यवाहक प्रधानमंत्री के तौर पर कार्यकाल समाप्त हो जाएगा। थाईलैंड की संवैधानिक अदालत ने मंगलवार को प्रधानमंत्री पैतोंगटार्न शिनावात्रा को सस्पेंड कर दिया था।

पीएम का ऑडियो लीक, आर्मी चीफ की आलोचना की थी...

दरअसल, पीएम पाइतोंग्तार्न का कंबोडिया के नेता के साथ बातचीत का एक वीडियो लीक हो गया था। इसमें पीएम पाइतोंग्तार्न, कंबोडिया के नेता हुन सेन को 'चाचा' कहती है और थाई सेना प्रमुख को अपना विरोधी बताती हैं। कंबोडिया और थाईलैंड के बीच सीमा विवाद चल रहा है। ऐसे में विपक्षी पार्टी ने इसे मुद्दा बना लिया। पीएम पर कंबोडिया के सामने झुकने और सेना को कमजोर करने के आरोप लगे। सीमा विवाद के दौरान हुई इस टिप्पणी के कारण पैतोंगतार्न पर इसके चलते उनकी लोकप्रियता घटी, गठबंधन के कुछ साथी दलों ने साथ छोड़ दिया और हजारों लोग विरोध में सड़कों पर उतर आए। कोर्ट ने कहा कि पाइतोंग्तार्न ने मंत्री पद की नैतिकता का उल्लंघन किया है। इसके बाद उन्हें पद से हटा दिया।

थाईलैंड की राजनीति में उथल-पुथल

थाईलैंड की राजनीति में पिछले 2 दशक से शिनवात्रा परिवार का बहुत गहरा असर रहा है। जितनी बार इस परिवार ने सत्ता में वापसी की, लगभग उतनी ही बार उन्हें विवादों और सत्ता से बाहर निकाले जाने का भी सामना करना पड़ा है। अब एक बार फिर यही कहानी दोहराई गई है। शिनवात्रा परिवार का राजनीतिक उदय 2001 में तब शुरू हुआ जब थाकसिन शिनवात्रा ने भारी जनसमर्थन के साथ प्रधानमंत्री पद संभाला। उन्होंने गरीबों व ग्रामीण लोगों के लिए सस्ता स्वास्थ्य, कर्ज और विकास योजनाएं शुरू कीं। थाकसिन की लोकप्रियता थाईलैंड के शहरी मध्यवर्ग, अमीर वर्ग और शक्तिशाली सेना के लिए चुनौती बन गई। 2006 में सेना ने तख्तापलट कर दिया और थाकसिन को सत्ता से बाहर कर दिया गया। उन पर भ्रष्टाचार और सत्ता का दुरुपयोग करने जैसे आरोप लगे। थाकसिन देश से बाहर चले गए और कभी कंबोडिया तो कभी दुबई में रहकर राजनीति पर दूर से पकड़ बनाए रखी। लेकिन उनकी लोकप्रियता खत्म नहीं हुई।

थाकसिन की बहन पीएम बनी,3 साल बाद हटाई गईं

थाकसिन की बहन यिंगलक शिनवात्रा ने 2011 में ऐतिहासिक चुनाव जीतकर थाईलैंड की पहली महिला प्रधानमंत्री बनने का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने बड़े पैमाने पर चावल खरीद सब्सिडी योजना चलाई, जिससे ग्रामीण वोटर खुश हुए लेकिन सरकारी खजाने पर भारी बोझ पड़ा। एक बार फिर से शिनवात्रा परिवार की लोकप्रियता और नीतियां सेना और पारंपरिक शाही समर्थक शक्तियों को खटकने लगीं। यिंगलक सरकार के खिलाफ बड़े विरोध प्रदर्शन शुरू हुए, जिनमें बैंकॉक की सड़कों पर लाखों लोग उतरे। मई 2014 में यिंगलक को भी संवैधानिक अदालत ने सत्ता के दुरुपयोग के आरोप में हटा दिया और बाद में सेना ने तख्तापलट करके सत्ता अपने हाथ में ले ली। 2014 के सैन्य शासन के बाद शिनवात्रा परिवार की राजनीतिक ताकत कमजोर होती दिखने लगी थी।

बांग्लादेश में शेख हसीना को छह महीने जेल की सजा

अदालत की अवमानना की दोषी करार

ढाका,02 जुलाई 2025।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को अदालत की अवमानना के मामले में छह महीने जेल की सजा सुनाई गई है। बांग्ला अखबार द डेली स्टार के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने बुधवार को यह सजा सुनाई। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने हसीना और एक स्थानीय नेता शकील बुलबुल के बीच हुई फोन बातचीत की जांच करने के बाद यह फैसला सुनाया। यह बातचीत पिछले साल सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थी और कई अखबारों ने भी इसे छापा था। इस कथित ऑडियो क्लिप में शेख हसीना को यह कहते सुना गया कि उनके खिलाफ 227 मुकदमे दर्ज हैं, इसलिए उन्हें 227 लोगों को मारने का लाइसेंस मिल गया है। पिछले साल 5 अगस्त को बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर विद्रोह के बाद शेख हसीना ने पद छोड़ दिया था और उसके तुरंत बाद भारत भाग गई थीं।

हसीना के बांग्लादेश जाने पर सजा लागू होगी : अदालत ने ऑडियो क्लिप में शेख हसीना की बातों बहुत गंभीर माना और कहा कि यह बयान अदालत का अपमान करने और न्याय को कमजोर करने की कोशिश है। बातचीत में शामिल बुलबुल को भी दो महीने जेल की सजा दी गई है। जब हसीना और बुलबुल अदालत के सामने आत्मसमर्पण करेंगे या उन्हें पुलिस गिरफ्तार करेगी। अगर सजा लागू होती है, तो दोनों को गैर-कठोर यानी हल्की जेल की सजा भुगतनी होगी। मामले की सुनवाई इस साल 30 अप्रैल को तब शुरू हुई जब मुख्य अभियोजक ताजुल इस्लाम ने अदालत में यह मामला रखा। उन्होंने कहा कि बातचीत में दी गई धमकियों का मकसद इंसाफ मांगने वाले पीड़ितों और गवाहों को डराना था। बाद में अदालत ने हसीना और बुलबुल को 25 मई तक सफाई देने को कहा, लेकिन दोनों न तो अदालत में पेश हुए और न ही कोई जवाब दिया। इसके बाद अदालत ने अखबारों में नोटिस छपवाया और 3 जून तक पेश होने का मौका दिया। मगर आज की सुनवाई तक भी हसीना न तो खुद आईं और न ही उनके वकील की तरफ से कोई जवाब आया। इस वजह से अदालत ने उनकी अनुपस्थिति में ही सजा सुना दी।

ट्रक की ठोकर से घायल बाइक सवार की मौत

अम्बिकापुर,02 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

ट्रक की ठोकर से घायल मोटरसायकल सवार युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने बताया जशपुर जिला के पत्थलगांव थाना अंतर्गत ग्राम कटंगतराई तिलडेगा निवासी गंगा कुजूर पिता नाहियर कुजूर 34 वर्ष, एक जुलाई को सुबह करीब 6 बजे अपने ससुराल जाने के लिए मोटरसायकल से निकला था। लैलूंगा थाना क्षेत्र में सुबह 9 बजे ट्रक से एक्सीडेंट होने की जानकारी स्वजन को मिली, तो वे पत्थलगांव स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचे, यहां गंगा कुजूर एम्बुलेंस में बेहोशी की हालत में पड़ा था। यहां से प्राथमिक चिकित्सा के बाद रेफर करने पर स्वजन उसे देर रात 1.30 बजे एम्बुलेंस से मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर के आपातकालीन चिकित्सा परिसर में लेकर पहुंचे,यहां 2 जुलाई को अलसुबह 3.40 बजे चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले में मर्ग कायम करके पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया है।

घर के सामने से स्कूटी चोरी

अम्बिकापुर,02 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

घर के सामने खड़ी स्कूटी वाहन को अज्ञात ने पार कर दिया। गांधीनगर थाना क्षेत्र के भगवानपुर वार्ड में माखन बिहार के सामने रहने वाला हूं अतिरिक्त उप संचालक पशु चल चिकित्सा इकाई डॉ. अरूण कुमार सिंह पिता स्व. वंशरूप सिंह 62 वर्ष ने पुलिस को बताया है कि 28 जून को वे अपनी एक्टिवा स्कूटी क्रमांक सीजी 15 सीपी 5866 को दिन में 11 बजे अपने घर के सामने लॉक करके खड़ा करके घर के अंदर चले गए थे। करीब 20 मिनट बाद बाहर निकले तो स्कूटी नहीं थी। आस-पास पता तलाश करने के बाद भी स्कूटी का पता नहीं चला। रिपोर्ट पर पुलिस केस दर्ज करके स्कूटी चोरी करने वाले के तलाश में लगी है।

निर्माणाधीन मकान से सामान चोरी करके झाड़ी में छिपा था चोर

मकान स्वामी ने पुलिस के सुपुर्द किया

अम्बिकापुर,02 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

निर्माणाधीन मकान से वॉटर पम्प,वायब्रेटर मशीन और वायरिंग किए गए बिजली के तार को काटकर चोरी करने के बाद झाड़ियों में छिपे चोर को लेबर के सहयोग से पकड़कर मकान स्वामी ने पुलिस के सुपुर्द कर दिया है। घटना की जानकारी कोतवाली थाना में देते हुए मकान स्वामी दिनेश कुमार गुप्ता ने पुलिस को बताया है कि बरेजपारा, रामनगर कॉलोनी में ग्रामीण बैंक के सामने उनका मकान निर्माणाधीन है। मकान में बिजली वायरिंग का काम चल रहा है। 01 जुलाई 2025 को सुबह करीब 5 बजे जब वे अपने निर्माणाधीन मकान में गए तो घर के पोर्च में रखा 1 एचपी का वाटर पम्प, वायब्रेटर मशीन बिजली वायरिंग का तार अज्ञात चोर काटकर चोरी कर लिए थे। घर के आस-पास तलाश के दौरान घर से कुछ दूरी पर झाड़ी के पीछे एक व्यक्ति चोरी का समान लेकर छुपा नजर आया, जिसे उन्होंने अपने लेबर के साथ मिलकर चोरी के सामान सहित पकड़ा। पूछताछ करने पर वह अपना नाम आदित्य हरिजन उर्फ चाबा निवासी बधियाचुंआ बताया। इसे पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है। रिपोर्ट पर पुलिस ने चोर को गिरफ्तार करके अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की है।

छत्तीसगढ़ युवा रत्न सम्मान के लिए आवेदन आमंत्रित

अम्बिकापुर,02 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सहायक संचालक ने बताया है कि छत्तीसगढ़ शासन खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा युवा कल्याण के विभिन्न क्षेत्र में किये गये अविस्मरणीय कार्य, सेवाओं तथा अभिनव प्रयास के लिए सम्मानित करने और उनमें एक राष्ट्रीय कीर्तिमान विकसित करने की दृष्टि से युवा रत्न सम्मान स्थापना किया गया है। इस कार्य में व्यक्तियों/संगठनों के योगदान को प्रोत्साहित करने, मान्यता देने एवं प्रतिष्ठा मंडित करने के उद्देश्य से राज्य शासन के इस क्षेत्र में कार्यरत व्यक्तियों को युवा सम्मान प्रदाय किया जाना है। इस हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि विस्तृत जानकारी के लिए कार्यालय सहायक संचालक खेल एवं युवा कल्याण सरगुजा में कार्यालयीन समय में संपर्क कर सकते हैं।

इन क्षेत्रों में मिलेगा सम्मान : युवा रत्न सम्मान अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में चयनित युवाओं को सम्मानित किया जाएगा। असाधारण एवं विशिष्ट सेवा कार्य के लिए व्यक्तिगत 2.5 लाख रुपए और संगठन हेतु 5 लाख रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा। सामाजिक,साहित्य,नवाचार, शिक्षा,खेल,पर्यावरण,महिला एवं बाल विकास,मीडिया,स्वास्थ्य,विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, कला एवं संगीत सांस्कृतिक, लोककला के क्षेत्र में युवाओं को सम्मानित किया जाएगा।

पुरस्कार हेतु अहर्ताएं : उन्होंने बताया कि व्यक्तिगत पुरस्कार के लिए आवेदक छत्तीसगढ़ का मूल निवासी होना चाहिए। आयु 15 से 29 वर्ष की मध्य अर्थात जिस वित्तीय वर्ष 01 अप्रैल को 15 वर्ष पूर्ण होना चाहिए तथा 31 मार्च को 29 वर्ष से कम होना चाहिए। इसी प्रकार संगठन के लिए संगठन के लिए छ.ग. सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1973 के तहत पंजीकृत होना चाहिए।

सरगुजा पुलिस द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

बच्चों को मिली साइबर सुरक्षा, महिला सुरक्षा और आत्मरक्षा की जानकारी

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा के दिशा निर्देशन मे जनजागरूकता अभियान के जरिये नई पीढ़ी कों किया जा रहा है जागरूक

कार्यक्रम मे पुलिस मितान के सदस्यों द्वारा सुरक्षा एवं जागरूकता पर आधारित विशेष कार्यक्रमों के जरिये दी गई विभिन्न जानकारी

बच्चों को साइबर अपराध,ऑनलाइन ठगी, महिला एवं बाल संरक्षण कानून,मानव तस्करी से बचाव, अभिव्यक्ति ऐप की कार्यप्रणाली, हेल्पलाइन नंबरों से कराया गया अवगत..

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला,जराकेला एवं स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय,गड़बीरा मे कार्यक्रम किया गया आयोजित

अम्बिकापुर,02 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

सुरगुजा पुलिस द्वारा जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत दिनांक 01/07/25 कों चौकी रघुनाथपुर थाना लुन्ड्रा अंतर्गत शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला, जराकेला एवं स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, गड़बीरा में सुरक्षा एवं जागरूकता पर आधारित विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, कार्यक्रम के जरिये विद्यालय स्तर पर अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को वर्तमान समय की महत्वपूर्ण सामाजिक व डिजिटल चुनौतियों के प्रति सजग और सशक्त बनाने के लिए विभिन्न प्रकार की गतिविधियों एवं जानकारियों से अवगत कराया गया। बच्चों को नए क़ानून, साइबर अपराध,ऑनलाइन ठगी, अश्लील कंटेंट की रोकथाम, महिला एवं बाल संरक्षण कानून,मानव तस्करी से बचाव, अभिव्यक्ति ऐप की कार्यप्रणाली,हेल्पलाइन नंबरों (1930, 1098, 181, 112), संचार साथी पोर्टल,गुड टच - बैड टच, तथा स्वस्थ एवं सुरक्षित डिजिटल जीवनशैली जैसे विषयों पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। पुलिस मितान के सदस्यों द्वारा कार्यक्रम के दौरान स्कूली बच्चों कों उक्त जानकारी सहज, सरल और संवादात्मक शैली में प्रस्तुत किया गया, ताकि वे न केवल सुनें, बल्कि उसे जीवन में व्यवहारिक रूप से अपनाने का प्रयास भी करें, छात्र छात्राओं कों व्यवहारिक परामर्श, स्लोगन, दृश्य सामग्री एवं विद्यार्थियों से सीधे संवाद के माध्यम से विषयों को प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत किया गया।बच्चों ने पूरे कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया, और कई बच्चों ने मंच पर आकर अपने विचार भी साझा किए। कार्यक्रम के दौरान बच्चों कों जानकारी दी गई कि आज के युग में बाहरी सुरक्षा के साथ साथ डिजिटल समझ एवं सुरक्षा भी उतनी ही आवश्यक है, इस दौरान बच्चों से उक्त कार्यक्रम सम्बन्धी जानकारी हेतु प्रश्नोत्तर किये गए, और अपने अपने अनुभव साझा करने का अवसर दिया गया, जिसमें बच्चों ने आत्मविश्वास के साथ सतर्क एवं सुरक्षित रहने की बात कही। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान श्री बृज कुमार पैकरा, श्री दीपक यादव, श्रीमती मंजू माणिकपुरी, श्रीमती शांति सिंह, श्रीमती प्रेममनी एक्का, श्रीमती अजेता गुप्ता, श्री मुकेश कुमार गुप्ता, श्री सचिन कुमार महतो एवं श्री नरेंद्र कुमार देवांगन सहित शिक्षकों शिक्षिकाओं ने सहभागिता निभाई, जागरूकता कार्यक्रम के दौरान पुलिस मितान टीम से अतुल गुप्ता, विक्की गुप्ता, श्रुति तिवारी, सुधा यादव एवं अनमोल बारी सक्रिय रहे।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

- **थाना मणीपुर पुलिस टीम द्वारा मामले मे आरोपी के विरुद्ध की गई कार्यवाही**
- **नाबालिग सम्बन्धी अपराधों मे पुलिस टीम द्वारा की जा रही त्वरित कार्यवाही।**

आरोपी द्वारा पीड़िता कों बहला फुसला कर ले जाकर शादी का झांसा देकर कारित की गई थी घटना

अम्बिकापुर,02 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

मामले के संबंध में बताया गया कि प्रार्थिया दिनांक 23/06/25 को थाना मणीपुर आकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि घटना दिनांक 23/06/25 कों प्रार्थिया की नाबालिग लड़की घर से बिना किसी कों कुछ बताये कही चली गई, जो देर शाम तक वापस नहीं आई है, आस पास खोजने पर भी पता नहीं चल रहा है,प्रार्थिया द्वारा शंका व्यक्त किया गया है कि कोई अज्ञात व्यक्ति प्रार्थिया की नाबालिग लड़की कों बहला फुसला कर ले गया है, मामले मे प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना गांधीनगर मे अपराध क्रमांक 186/25 धारा 137(2) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा अपहृत बालिका एवं मामले के आरोपी का पता तलाश किया जा रहा था, पुलिस टीम के सतत प्रयास से पीड़िता कों आरोपी विक्की सिंह आत्मज गोपाल सिंह उम्र 21 वर्ष सा. माल सलामी चौक, थाना-माल सलामी पटना बिहार के कब्जे से, राधानगर जिला साहबगंज (झारखंड) से बरामद किया गया है, जो महिला पुलिस अधिकारी द्वारा पीड़िता का कथन लेख किया गया जो पीड़िता अपने कथन मे बताई कि आरोपी विक्की सिंह पीड़िता कों शादी करने का झांसा देकर बहला फुसला कर भगा ले जाकर जबरन दुष्कर्म की घटना कारित किया है, प्रकरण सदर मे धारा 64 बी.एन.एस. एवं पॉक्सो एक्ट की धारा 4.6 जोड़कर मामले के आरोपी कों गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाता है।

लकड़ी लेने जंगल गए ग्रामीण पर भालू ने किया हमला

अम्बिकापुर,02 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पटकुरा के जंगल में भालू ने एक ग्रामीण पर हमला कर जख्मी कर दिया है। ग्रामीण मंगलवार की दोपहर को लकड़ी लेने गया था। गंभीर स्थिति में ग्रामीण को इलाज के लिए लखनपुर अस्पताल में भर्ती कराया यहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया है। जानकारी के अनुसार लालजीत राम मझवार पिता मान साय मझवार लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पटकुरा का रहने वाला है। वह मंगलवार की दोपहर करीब 3 पटकुरा जंगल में जलाऊ लकड़ी लेने गया था। तभी झाड़ी से निकलकर भालू ने उसपर हमला कर दिया। इस दौरान लालजीत जोर-जोर से चिल्लाने पर भालू उसे छोड़कर वहां से भाग गया। इसके बाद वह घायल अवस्था में किसी तरह घर पहुंचा और घटना की जानकारी परिजन को दी। परिजन उसे इलाज के लिए लखनपुर अस्पताल ले गए। यहां चिकित्सक ने बेहतर इलाज के लिए उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया है।

कलेक्ट्रेट परिसर में पार्किंग व्यवस्था के लिए दिशा-निर्देश,उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

3 जुलाई से पार्किंग नियमों में सख्ती

अम्बिकापुर,02 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री विलास भोसकर के निर्देशानुसार,कलेक्ट्रेट परिसर में वाहनों की पार्किंग व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने हेतु दिनांक 03 जुलाई 2025 से दिशा-निर्देश प्रभावी होंगे। सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने निजी अथवा शासकीय वाहनों को निम्नलिखित निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़ा करें। नया एवं पुराना कंपोजिट बिल्डिंग के मध्य स्थित खाली स्थान। कलेक्ट्रेट मुख्य गेट (गेट नंबर 1) के पास स्थित पार्किंग क्षेत्र।गेट नंबर 1 के बाद, जहां स्व-सहायता समूह की महिलाएं प्रवेश जांच करती हैं, वहाँ से आगे केवल पहचान पत्र दिखाने पर ही वाहन प्रवेश कर सकेंगे।जिन कर्मचारियों के पास पहचान पत्र नहीं होगा,उन्हें अपने वाहन गेट नंबर 1 के पास ही पार्क करना होगा। यदि कोई वाहन गेट नंबर 1 से ई-सेवा केंद्र तक की सड़क पर अनियमित रूप से खड़ा पाया जाता है, तो उस पर यातायात पुलिस द्वारा जुर्माना लगाया जाएगा एवं आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। सभी अधिकारी एवं कर्मचारी कृपया उपरोक्त निर्देशों का कड़ाई से पालन करें एवं अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को भी समय पर सूचित करें। यह व्यवस्था कलेक्ट्रेट परिसर में अनुशासन,सुगमता एवं सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु लागू की जा रही है।

चोरी की बढ़ रही घटनाओं ने फिर से लोगों को दहशत में डाला

पुलिस की नाकामी फिर झलकने लगी

शहर से लेकर गांव तक चोरी की घटना रुकने का नाम नहीं ले रही है

क्या पुलिस अपनी फजीहत से बचने के लिए उन्हें टारगेट करेगी जिनके ऊपर पहले से कई चोरी के मामले दर्ज है पर इन चोरियों में वह शामिल है या नहीं यह उनके लिए भी सवाल है?

क्या सुपर कॉप अपना एक उत्तराधिकारी बैकुंठपुर शहर में नियुक्त करके गए हैं? उन्हें ही बैकुंठपुर क्षेत्र का बनाया गया है प्रभारी फिर भी चोरी लगातार है जारी:सूत्र

-रवि सिंह-

कोरिया,2 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले में चोरी की घटनाओं में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है वहीं यह चोरी लगातार हो रही है लेकिन चोर पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। कोरिया जिला विभाजन के बाद वैसे भी चार पुलिस थानों का जिला बचा है और क्षेत्रफल के हिसाब से भी जिले का आकार बहुत बड़ा नहीं है फिर भी पूरे जिले की पुलिस चोरी की वारदात रोक पाने में क्यों असमर्थ है यह बड़ा सवाल है। वैसे भी चोरों ने चोरी की घटना को ऐसे ऐसे जगह अंजाम दिया या देने का प्रयास किया जो कहीं न कहीं काफी सुरक्षित माने जाने वाले स्थान या रहवासी क्षेत्र थे जिसमें शासकीय आवास भी उनका निशाना बना और डिप्टी कलेक्टर के घर तक का चोर ताला तोड़ने प्रयासरत नजर आए। चोरी की बढ़ती घटनाओं के बीच जिले सहित जिला मुख्यालय के रहवासी दहशत में हैं और वह जल्द से जल्द चोरों की गिरफ्तारी का इंतजार कर रहे हैं जिससे वह चैन से बिना भय रह सकें। चोरों का दहशत शहर में बढ़ा है यह भी कहना गलत नहीं होगा वहीं पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़ा हो रहा है उसके गश्त अभियान पर भी सवाल खड़ा हो रहा है कि क्या पुलिस की गस्त बंद है या फिर पुलिस इस मामले में ध्यान नहीं दे रही है? चोरी की घटनाएं शहर में जिला मुख्यालय में तो हो ही रही हैं वहीं यह घटनाएं जिले के कई गांव में भी हो रही हैं जो चिंता की बात बनती जा रही है और चोरों की गिरफ्तारी की मांग लोग कर रहे हैं। वैसे पुलिस फिलहाल केवल प्रयास कर रही है और शायद वह उन लोगों से पूछताछ कर रही है जो पहले भी चोरी की घटनाओं में शामिल रहे हैं जिम्मेदार रहे हैं और वह इन चोरी के मामलों भी शामिल होंगे। सुपर कॉप कहलाने वाले यह सभी पुलिसकर्मी जिले से अन्य जिले भेजे गए और इनके जिले से जाते ही चोरी की घटनाएं में बढ़ संदेह के घेरे में- वैसे कोरिया जिले में चोरी की घटनाएं एकाएक तब बढ़ती नजर आ रही हैं जब एकसाथ कई ऐसे पुलिसकर्मी जिले से स्थानांतरित किए गए हैं जिनके रहते हुए कई चोरी के मामलों में तत्काल चोरों की गिरफ्तारी हुई थी, सुपर कॉप कहलाने वाले यह सभी पुलिसकर्मी जिले से अन्य जिले भेजे गए और इनके जिले से जाते ही चोरी की घटनाएं जिले में बढ़ गईं, वैसे एक सुपर कॉप ने अपना उत्तराधिकारी जरूर बैठाया कोतवाली थाने में और बताया जा रहा है कि उक्त प्रधान आरक्षक को विशेष रूप से सुपर कॉप प्रधान आरक्षक की कमी दूर करने के लिए कोतवाली थाने लाया गया लेकिन उक्त उत्तराधिकारी द्वारा भी कोई खास उपलब्धि नहीं दर्ज की जा पा रही है चोरी के मामले में और न ही वह चोरों तक पहुंच पा रहे हैं।

सरकारी कर्मचारी चोरों के रडार में क्यों?

बैकुंठपुर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में चोरों का कहर...एक ही रात में 6 मकानों के ताले टूटे,लाखों की चोरी,सीसीटीवी में कैद हुए चोर,पर पुलिस की पकड़ से अभी भी काफी दूर,आश्चर्य की बात तो यह है कि अभी तक जो भी चोरी हुई है वह सभी सरकारी कर्मचारियों के घरों में की गई है आखिर इसके पीछे की वजह क्या है यह बड़ा सवाल है,कोरिया जिला मुख्यालय से सटे हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रविवार की रात चोरों ने धावा बोलते हुए सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया। कॉलोनी के क्वार्टर क्रमांक एच1,एच4,जी8, जी11,जी13,और जी16 में ताले तोड़कर चोरी की गई है। बताया जा रहा है कि घटना के समय इन सभी मकानों में कोई मौजूद नहीं था। गंभीर बात यह है कि एफ 1 टाइप क्वार्टर, जो कि डिप्टी कलेक्टर विनय कश्यप का आवास है, उसमें भी ताला तोड़ने की कोशिश की गई,लेकिन चोर अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो सके। यह वारदात एक ही रात में 7 अलग-अलग मकानों को निशाना बनाकर की गई है,जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। चोरी कितनी हुई है,इसका सही अनुमान अभी नहीं लगाया जा सका है, क्योंकि कई मकान मालिक बाहर हैं और अब तक बैकुंठपुर नहीं पहुंचे हैं। हालांकि प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक लाखों रुपए की संपत्ति चोरी होने की आशंका जताई जा रही है।

पुलिस पता करने का कर रही प्रयास पर अभी तक लाचार

घटना की सूचना मिलते ही बैकुंठपुर सिटी कोतवाली प्रभारी विपिन लकड़ा पुलिस बल और साइबर सेल की टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी कैमरे में चार चोरों की तस्वीरें कैद हुई हैं। फुटेज में दो चोरों को घर के अंदर दरवाजे का कुंदा 'रिंच-पाना' जैसे औजारों से तोड़ते हुए स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

यहां हुई थी लाखों की चोरी...इस मामले को पुलिस सुलझा भी नहीं पाई और पांच और नए मामले आ गए सामने

सबसे पहले बैकुंठपुर शहर में सबसे बड़ी चोरी प्रसिद्ध ज्योतिष योगेंद्र मिश्रा के घर हुई थी, जिसमें नकदी और कीमती आभूषण लेकर चोर फरार हो गए थे। उस घटना में भी पुलिस अब तक खाली हाथ है। आज की चोरी की शैली भी हूबहू बंटी महाराज के घर हुई पुरानी वारदात जैसी ही बताई जा रही है। एक चोरी का खुलासा नहीं हुआ और पांच चोरी का बोझ पुलिस पर और बढ़ गया अब पुलिस क्या करेगी यह तो अब आने वाला समय बताएगा।

गस्त में पुलिस सुस्त और चोर तंदुरुस्त

स्थानीय रहवासियों ने पुलिस गश्त को लेकर नाराजगी जताई है और तत्काल कड़ी कार्रवाई की मांग की है। कॉलोनी में सुरक्षा बढ़ाने और रात के समय गश्त तेज करने की मांग भी उठने लगी है।पुलिस का दावा- जल्द होंगे आरोपी गिरफ्तार स्थानीय नागरिकों की मांग- चोरियों की बढ़ती घटनाओं पर कड़ी कार्रवाई और नियमित गश्त जरूरी,यह वारदात एक बार फिर से पुलिस की कार्यप्रणाली और कॉलोनी की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही है।

पुलिस अपने माथे से बला टालने के लिए किसी और पर कार्यवाही करेगी या फिर इस चोरी के मास्टरमाइंड तक पहुंचेगी?

पुलिस क्या इन चोरी के मामलों में मास्टरमाइंड तक पहुंचेगी या फिर वह अपना बला टालने के लिए अन्य किसी पर कार्यवाही कर अपना पीठ ठोक लेगी,पुलिस के लिए यह बड़ी चुनौती है जिसे पुलिस को हल करना है,पुलिस का होना न होना ही सवालों के घेरे में है और लोग दहशत में हैं। लोग अब घर खाली छोड़ना तो दूर शाम को ही घर का दरवाजा बंद कर ले रहे हैं और खुद की सुरक्षा की जिम्मेदारी खुद सम्हाल रहे हैं।

चोरी की घटना को लेकर कुछ पुलिसकर्मी भी संदेह के घेरे में

जबसे कुछ नामी पुलिसकर्मी जिले से स्थानांतरित हुए हैं तभी से चोरी की घटनाओं में कोरिया जिले में इजाफा होता नजर आ रहा है,अब हो रही चोरियों में चोर पुलिस की पकड़ से भी बाहर हैं और ऐसा पहली बार कई सालों बाद हो रहा है कि पुलिस लगातार हो रही चोरियों को रोक पाने में असफल असमर्थ साबित हो रही है। वैसे जिले से बाहर भेजे गए पुलिसकर्मी भी सोशल मीडिया पर ऐसा दावा करते नजर आए की वह होते तो शायद चोर पकड़े जाते ऐसा जिनके घर चोरियां हुई उनका उनसे कहना है मतलब उनकी कमी जिले के लोगों को खल रही है और यही वजह है कि लगातार हो रही चोरियों के मामले में कुछ पुलिसकर्मी जब खुद पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रहे हैं जबकि वह जिले से अन्यत्र पदस्थ हैं और ऐसा करना कहना कहीं न कहीं कोरिया जिले के वर्तमान पुलिसिंग पर ही सवाल है इसलिए कुछ पुलिसकर्मियों पर ही सवाल खड़े हो रहे हैं।

स्थानांतरित पुलिसकर्मियों की वापसी से ही सुलझेगा चोरी का मामला,एक पुलिसकर्मी उच्च अधिकरियों को समझा रहा?

सूत्रों से मिलीजानकारी के अनुसार कोरिया जिले में एक प्रधान आरक्षक ने अपने तबादले के बाद अपना एक उत्तराधिकारी कोतवाली थाने में पदस्थ करवाया है, उक्त उत्तराधिकारी प्रधान आरक्षक का आजकल का काम चोरी के मामलों के खुलासे से ज्यादा प्रयासों से ज्यादा यह है कि वह किसी भी तरह उच्च अधिकारियों को समझा सके कि चोरी का मामला तभी सुलझेगा जब स्थानांतरित पुलिसकर्मियों को वापस बुलाया जाएगा, बिना वापस बुलाए स्थानांतरित पुलिसकर्मियों के यह मामला नहीं सुलझेगा और न ही चोरियां बंद हो सकेंगी? यह वह प्रधान आरक्षक लगातार उच्च अधिकरियों को बतला रहा है। वैसे क्या वह उत्तराधिकारी बनकर आया हुआ पुलिसकर्मी सही कह रहा है? क्या सच में स्थानांतरित पुलिसकर्मियों की वापसी से चोरी के मामले सुलझ जाएंगे? वैसे उसके दावे और सूत्रों द्वारा दी गई इस जानकारी की पुष्टि हम नहीं करते लेकिन उच्च अधिकरियों से ऐसी बातें करने की बात सूत्र अवश्य बताते हैं।

बालको अस्पताल को मिला प्रतिष्ठित एनएबीएच मान्यता

-संवाददाता-

कोरबा,2 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

बालको अस्पताल को प्रतिष्ठित एनएबीएच (नेशनल एक्रेडिटेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल्स एंड हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स) की मान्यता प्राप्त हुई। यह उपलब्धि रोगी-केंद्रित सेवा और गुणवत्ता युक्त डायग्नोस्टिक सेवाएं प्रदान करने के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को और भी मजबूत बनाती है। एनएबीएच मान्यता देश में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और विश्वसनीयता का प्रतीक मानी जाती है। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि बालको अस्पताल प्रयोगशाला परीक्षणों में सर्वोच्च राष्ट्रीय मानकों का पालन करता है और मरीजों को सटीक,सुरक्षित तथा रोगी-केंद्रित सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। एनएबीएच मान्यता प्राप्त करना अस्पताल की गुणवत्ता, दक्षता और निरंतर सुधार की सोच को दर्शाता है। चिकित्सक दिवस के अवसर पर बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार ने अस्पताल के चिकित्सकों को उनके उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया। साथ ही एनएबीएच उपलब्धि के लिए सीईओ श्री राजेश कुमार ने बालको अस्पताल की टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि बालको अस्पताल के माध्यम से कोरबा जिले में अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीकों की शुरुआत होने पर गर्व है। हम क्षेत्र में नवीनतम चिकित्सा तकनीकों,उपकरण और सभी तक उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और आधुनिक सुविधाओं को बढ़ाने का लक्ष्य रखते हैं। श्री कुमार ने कहा कि बालको अस्पताल के जरिए क्षेत्र के जरूरतमंदों को हरसंभव चिकित्सा सुविधाएं देने के प्रति बालको प्रबंधन कटिबद्ध है। बालको के मुख्य चिकित्सा अधिकारी विवेक सिन्हा ने कहा कि यह उपलब्धि हमारी टीम के निरंतर प्रयास,सेवा भावना और गुणवत्ता के प्रति समर्पण का परिणाम है। हम अपने मरीजों को विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के अपने संकल्प को और अधिक सुदृढ़ करेंगे। उन्होंने कहा कि हम चिकित्सा नवाचार की सीमाओं को आगे बढ़ाने और बालको अस्पताल में अपने रोगियों की देखभाल में विश्वास करते हैं। हम अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण के माध्यम से मरीजों की देखभाल और उपचार को उत्कृष्ट तरीके से कर पाएंगे। 125 आधुनिक बेड से युक्त बालको अस्पताल कंपनी के कर्मचारियों एवं उनके परिवारजन और विभिन्न जिलों को स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है। विशेषज्ञ की टीम है जिसमें सामान्य चिकित्सक,नेत्र रोग विशेषज्ञ,ईएनटी विशेषज्ञ,बाल रोग विशेषज्ञ,रेडियोलॉजिस्ट,एनेस्थेसियोलॉजिस्ट,फिजियोथेरेपिस्ट,दंत चिकित्सक, स्त्री रोग विशेषज्ञ और आर्थोपेडिक सर्जन के साथ 09 विजिटिंग कंसल्टेंट शामिल हैं। इसके साथ ही अस्पताल को 24 चिकित्सक विशेषज्ञ, 69 नर्स और 126 स्टाफ सदस्यों का समर्थन प्राप्त है। नियमित जांच शिविर, जागरूकता शिविर आयोजित करने के साथ ही आयुष्मान भारत और सरकार द्वारा निर्धारित समस्त टीकाकरण कार्यक्रमों का अनुसरण बालको अस्पताल में किया जाता है।

वन विभाग की दादागिरी अतिक्रमण हटाने के नाम पर राजस्व पट्टे के जमीन पर भी बुलडोजर चलाने का लगा आरोप

ग्रामीणों का आरोप नोटिस वन भूमि का दिया और राजस्व पट्टे की जमीन पर चलवा दिया बुलडोजर

खेत के मेड़ो को तोड़ कर लगी फसल को बुलडोजर से रौंदा

पट्टा दिखाने पर लगाई कड़ी फटकार बुलडोजर चलते तक मोबाइल भी जप्त करने का लगा आरोप

बेबस एवं पीड़ित ग्रामीण परिवार पहुचा एस डी एम कार्यालय लगाई न्याय दिलाने की गुहार

नुकसान की भरपाई कौन करेगा बना अहम सवाल

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने पीड़ितों से की बात,कार्यवाही नही हुई तो सड़को पर उतर लड़ेंगे न्याय की लड़ाई

पूर्व विधायक ने कहा पीड़ित परिवार को न्याय नही मिला तो करेंगे आंदोलन

पूर्व विधायक ने गुलाब कमरो फोन पर पीड़ित परिवार से बात कर कार्यवाही का भरोसा दिया है इस दौरान गुलाब कमरो ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार पर सवालिया निशान उठाते हुए कहा कि क्या यही विष्णुदेव जी का सुशासन है? पहले गरीबों के घर तोड़े गए अब वन भूमि का अतिक्रमण बता कर राजस्व भूमि पर बुलडोजर चला रहे हैं,गरीब ग्रामीणों के घर और खेतों सहित फसलों को जमीदोज किया जा रहा है,कमरो ने कहा कि पूर्व सरकार में एक भी घर नही तोड़े गए यहां तो गांव गांव में गरीब आदिवासियों पिछड़ा वर्ग और सामान्य वर्गों के लोगो को घर तोड़ बरसात में बेघर किया जा रहा है, सुशासन का वादा करके सबको घर देने के नाम पर आई सरकार घर तोड़ने का कार्य कर रही है, गुलाब कमरो ने कहा कि यदि सम्बंधित को न्याय नही मिला तो उन्हें न्याय दिलाने सड़क पर उतर कर लड़ाई लड़ी जाएगी, और सम्बंधित परिवार को हुए नुकसान की क्षति पूर्ति की भी मांग शासन से करता हूं।

-राजन पाण्डेय-

कोरिया/सोनहत, 2 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

सोनहत विकासखण्ड में इन दिनों वन विभाग द्वारा अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध कार्यवाही काफी तेज है,सोनहत के ओदारी कुशहा चकदण्ड आदि जगहों पर कई लोगो के घर जो वन भूमि पर अतिक्रमण कर बनाया जग था उसे तोड़ दिया गया। हालाकि बरसात में लोगो को घर से बेघर किये जाने को लेकर बेहद आक्रोश देखा जा रहा है लेकिन वह विभाग ने अपनी कार्यवाही लगातार जारी रखी है। लेकिन ग्रामीणों की माने तो अतिक्रमण हटाने की आड़ में अब वन विभाग दादागिरी पर उतारू हो गया है और वन विभाग द्वारा वन भूमि पर अतिक्रमण हटाने के नाम पर पट्टे की राजस्व भूमि पर भी बुलडोजर चला दिया जा रहा है ऐसा हम नही कह रहे है बल्कि यह आरोप ग्रामीणों ने लगाया है, और बाकायदा अनुविभागीय दंडाधिकारी सोनहत से न्याय की गुहार भी लगाई है।

राजस्व पट्टे की जमीन पर चला दिया बुलडोजर

सोनहत विकासखण्ड के ग्राम चकदण्ड देवगढ़ वनपरिक्षेत्र का अमला अतिक्रमण हटाने गया हुआ था जहां पर लखन लाल एवं अन्य 5 लोगो की सम्मिलित खाते की राजस्व भूमि खसरा नम्बर 336 पर वन विभाग ने अतिक्रमण हटाने के नाम पर बुलडोजर चलना प्रारम्भ कर दिया,जमीन मालिको के देवीदयाल,निर्मला मुन्ना लाल रामचंद्र सहित अन्य ने बताया कि उनके द्वारा मना करने पर वन विभाग ने अमले ने उन्हें धमकाया और फटकार लगाई,जिस पर जमीन मालिक ने उन्हें जमीन का पट्टा दिखाया और जमीन के सभी दस्तावेज पट्टा बी 1 खसरा सहित पुराना अभिलेख भी दिखाया लेकिन जमीन मालिक का आरोप है कि वन कर्मियों ने कागज फेक दिया और कार्यवाही जारी रखी और खसरा नम्बर 336 में बने खेत के मेड़ो को तोड़ दिया और बोई गई फसल पर पूरा बुलडोजर चला दिया जिससे ग्रामीणों और जमीन मालिक में भारी आक्रोश है।

साल भर की खेती पर चला बुलडोजर परिवार में है 30 लोग

महिला निर्मला ने बताया कि खेत पर बुलडोजर चला देने से इस साल खेती नही हो पाएगी बहुत नुकसान कर दिया गया हम क्या खाएंगे, क्या बेचेंगे पूरे परिवार पर आर्थिक संकट आ गया है, 2023 में 70 क्विंटल धान इसी भूमि पर उगा कर बेचे थे, हमारा तो परिवार ही सड़क पर आ गया,निर्मला ने बताया कि हमने एस डीएम साहब को लिखित में शिकायत देकर जांच एवं कार्यवाही के साथ उचित मुवाबजे की भी मांग किया है, हमारे साथ न्याय होना चाहिए,निर्मला ने बताया कि कलेक्टर महोदया से भी मिलकर शिकायत करेंगे हमारे साथ हुए अन्याय के खिलाफ न्याय मिलने की मांग करेंगे।

नोटिस वन भूमि की कार्यवाही राजस्व भूमि पर

पीड़ित परिवार ने बताया कि वन विभाग द्वारा वन भूमि में कब्जे के सम्बंध में अतिक्रमण हटाने का नोटिस दिया था, लेकिन कार्यवाही पट्टे की राजस्व भूमि पर कर दी और ग्रामीणों का आरोप है कि वन अमले ने राजस्व भूमि पर बुलडोजर चलाने के दौरान पीड़ित परिवार को काफी डराया और धमकाया भी जिसकी चौतरफी निंदा हो रही है।

सोनहत एसडीएम ने दिया जांच का भरोसा

आवेदन देने के बाद भूमि स्वामियों ने बताया कि एस डी एम साहब को आवेदन दिए हैं जिस पर साहब ने मौका जांच एवं जांच के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके अनुसार कार्यवाही का भरोसा दिया है।

वन विभाग की कार्यप्रणाली पर लगातार उठ रहे सवाल

वन विभाग ने अपने नियमो कानूनों का हवाला देते हुए गरीब ग्रामीणों द्वारा वन भूमि पर किये गए अतिक्रमण को तो हटा दिया गया, ग्रामीणों के घर मकान जमीदोज कर दिए गए लेकिन सबसे अहम सवाल यह भी है कि क्या वन विभाग सत्ता धारी दल के लोगो के द्वारा वन भूमि पर जो भारी भरकम क्षेत्र में कब्जा किया गया है उसे हटाने की हिम्मत दिखायेगा? क्या सत्ता धारी दल के लोगो के द्वारा आस पास के क्षेत्र जंगलों में कई एकड़ जमीन में किये गए कब्जे सहित उसमें अवैध रूप से किये गए निर्माण कार्य को जमीदोज करने की हिमाकत वन विभाग कर सकेगा? यह सवाल अहम होता जा रहा है,सोनहत विकासखण्ड के अधिकांस वन भूमि पर लोगो लंबे समय से काबिज हैं लेकिन विभाग की कार्यवाही सिर्फ गरीबों के आशियाने पर ही हुई, क्या सत्ता धारी दल के लोगो पर विभाग का नियम कानून काम नही करता,क्या सत्ता धारी दल के लोगो द्वारा वन भूमि पर किये गए अवैध कब्जे कार्यवाही के नाम पर विभाग का बुलडोजर पंचर हो जाता है? क्या विभाग की अपनी ही भूमि का ज्ञान नही जो राजस्व भूमि पर बुलडोजर चलाया जा रहा है? इस तरह के सवाल क्षेत्र में चर्चा का विषय बने हुए हैं।

C M Y K

अंग्रेजों द्वारा निर्मित पुल,पुलिया एवं भवन आज तक स्थिर

वहीं निर्वाचित देश की सरकारों द्वारा सरकारी तंत्र के नियंत्रण निगरानी में कराए जा रहे निर्माण अल्प अवधि में ही हो जा रहे ध्वस्त...क्यों ?

जो रहे देश के दुश्मन और आक्रमणकारी,उनके निर्माण स्थायी, और देशभक्तों के द्वारा निर्मित चीजें हो रहे धराशाई

स्थानीय शासन और ठेकेदारों द्वारा कराए किए गए निर्माण कार्य निर्माणाधीन या अल्प अवधि में ही हो रहे जर्जर

कई गांवों को हाईवे से जोड़ने वाले करोड़ों की लागत से निर्मित पुल 20 साल में ही हुआ धराशाई

हजारों ग्रामीणों का नेशनल हाईवे क्रमांक 43 से पुल टूटने के कारण सीधा संपर्क टूटा

छत्तीसगढ़ निर्माण के बाद भाजपा के प्रथम शासन काल में हुआ था पुल का निर्माण

-रवि सिंह-
कोरिया/सूरजपुर,2 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

कोरिया सूरजपुर जिले के सरहद पर एनएच 43 से कई गांवों को जोड़ने वाला गोबरी नदी पर स्थित पुल 20 साल 2 महीने में ही ध्वस्त हो गया,आवागमन बाधित हो गया है और नेशनल हाईवे से जुड़ने वाले ग्रामों का संपर्क भी टूट गया है वही सूरजपुर प्रशासन ने उस पुल पर आवागमन को पूरी तरीके से रोक लगा दिया है और सेतु विभाग को इसके लिए अलर्ट कर दिया गया है,और तत्काल पुल को बनाने की प्रक्रिया शुरू करने की बात कही गई है पर पुल को बनने में काफी समय लगने वाला है क्योंकि बरसात के बाद ही काम शुरू होगा ऐसी जानकारी आ रही है ऐसे में नेशनल हाईवे से जुड़ने वाले गांव को अब लंबी दूरी तय करनी पड़ेगी। वहीं इस पुल के टूटने की वजह से एक सवाल यह भी उत्पन्न हो गया है कि आखिर सरकारी तंत्र में होने वाले निर्माण कुछ सालों में ही क्यों खराब हो जाते हैं धराशाई हो जाते हैं वहीं अंग्रेजों के समय बने पुल आज भी मजबूती के साथ खड़े हैं जो आजादी के पूर्व बने हुए हैं।

सत्ता में रहकर भी निर्वाचित जनप्रतिनिधि खुद को निर्वाचित करने वाले आम लोगों के हित मामले में समझौता क्यों होने देते हैं?

शासन और शासकीय विभागों द्वारा जो भी निर्माण कार्य कराया जाता है वह उस जनता के लिए होता है जो सरकार बनाने में अपनी अहम भूमिका निभाती है,सरकार में बैठे सत्ताधारी निर्वाचित जनप्रतिनिधि जनता द्वारा ही निर्वाचित होते हैं जनता के लिए निर्वाचित होते हैं। जनता के द्वारा चुने गए जनप्रतिनिधि जनता के हित मामलों में क्यों समझौता होने देते हैं यह बड़ा सवाल है। जनता की सुविधाओं और उनकी जरूरतों का ध्यान निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को रखना चाहिए लेकिन ऐसा होता प्रतीत नहीं होता है और जनता से जुड़े ऐसे निर्माण कार्यों में जमकर भ्रष्टाचार देखने को मिलता है जो उन्हें सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से निर्मित किया जाता है।

अपने घरों को लंबी आयु प्रदान करने वाले ठेकेदार और निर्माण एजेंसियां भ्रष्टाचार के भरोसे सुरक्षित आशियाने में...आम जन नदी-नाला लांघकर जाने मजबूर

वैसे शासकीय निर्माण कार्यों की जिम्मेदारी निभाने वाले ठेकेदार और निर्माण एजेंसियां अपने लिए लंबी आयु वाले आशियाने तैयार करती हैं करते हैं वहीं वह शासकीय निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार के दम पर ऐसा कर पाते हैं और खुद के लिए आलीशान महल तैयार कर लेते हैं और वहीं वह जो शासकीय निर्माण आम लोगों की सुविधा के लिए करते हैं उसका जिम्मा पाते हैं उसमें जमकर भ्रष्टाचार करते हैं और वह जल्द धराशाई हो जाता है और आम लोग नदी नाला लांघकर घर तक आना जाना करने मजबूर हो जाते हैं। ताजा उदाहरण ऐसा ही है,निश्चित ही इस पुल के निर्माता और इसके लिए जिम्मेदार रहे अधिकारियों का अपना आशियाना मजबूत होगा आज भी और आगे भी मजबूती से खड़ा रहेगा वहीं यह पुल धराशाई हो गया और लोग नदी लांघकर आना जाना करने मजबूर हैं।

20 वर्ष में ही पुल हुआ धराशाई... भाजपा शासनकाल में हुआ था पुल का निर्माण

राष्ट्रीय राज्यमार्ग 43 पर कोरिया जिले के ग्राम डुमरिया से लगा हुआ एक पुल जो राष्ट्रीय राज्य मार्ग से सुरजपुर जिले के ग्रामों को जोड़ते हुए कोरिया जिले के भी कुछ ग्रामों को जोड़ता है वह पुल धराशाई हो गया जिसपर आवागमन बंद करने का भी आदेश जिला प्रशासन सुरजपुर ने जारी कर दिया। उक्त पुल का निर्माण 20 वर्ष पहले तत्कालीन भाजपा सरकार द्वारा कराया गया था और इसे तब एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताकर प्रस्तुत किया गया था,उक्त पुल के धराशाई होने से पुल के कारण मुख्य मार्ग से जुड़ने वाले ग्राम अब सीधे तौर पर मुख्य मार्ग से कट गए और अब उन्हें लंबी दूरी तय करके मुख्य मार्ग तक पहुंचना होगा,पुल का निर्माण 20 वर्ष पूर्व हुआ था और यह आज धराशाई है,भ्रष्टाचार नहीं हुआ होता पुल धराशाई नहीं होता यह कहना गलत नहीं होगा।

हजारों लोगों का मुख्य सड़क से सीधा संपर्क टूटा,अब आपातकाल के समय भी ग्रामीणों को होगी परेशानी

उक्त पुल सुरजपुर जिले सहित कोरिया जिले के कई ग्रामों तक एक प्रमुख मार्ग का पुल था जो राष्ट्रीय राज्यमार्ग से सुरजपुर सहित कोरिया जिले के कई ग्रामों को सीधा जोड़ता था,उक्त पुल के धराशाई होने से अब हजारों लोगों का मुख्य मार्ग से सीधा संपर्क टूट गया है। अब आपातकाल की किसी स्थिति में जैसे स्वास्थ्य जैसे आपातकालीन मामलों में इस पुल से सीधे मुख्य सड़क तक पहुंचने वाले हजारों ग्रामीणों को कई किलोमीटर घूमकर मुख्य सड़क तक पहुंचना होगा। कुल मिलाकर अब इस पुल से लाभान्वित हजारों लोग लंबे समय तक कष्ट झेलेंगे और उन्हें कब मुख्य सड़क से जोड़ने वाला यह पुल बनकर वापस मिलेगा यह अभी बिलकुल स्पष्ट नहीं है।

क्या पुल की आयु 20 वर्ष ही तय थी निर्माण के समय,यदि यह सही है क्यों नहीं फिर पूर्व में ही नया पुल स्वीकृत कर बनाया गया?

सेतु निर्माण विभाग द्वारा क्या इस पुल की आयु 20 वर्ष निर्धारित थी? यह एक सवाल है जिसका जवाब सेतु निर्माण विभाग को देना चाहिए,वहीं यदि 20 वर्ष या उससे कम आयु निर्धारित थी पुल की सेतु विभाग ने क्यों नहीं अब तक नए पुल का निर्माण कर लिया था जिससे आज जैसी स्थिति निर्मित न होने पाए। मामला लापरवाही का भी है और मामला भ्रष्टाचार का भी है और अब इनमें से कौन सा मामला बिल्कुल सही है यह पुल की निर्माण के समय की आयु ज्ञात होने पर पता चल सकेगी। पुल का निर्माण जब हुआ ग्रामीण मुख्य सड़क से जुड़ सके थे वहीं जब यह पुल धराशाई हुआ अब कोई विकल्प सीधा नहीं है जिससे ग्रामीण मुख्य सड़क से जुड़ सकें और यह मामला गंभीर है और विभागीय उदासीनता जनसरोकार मामले से दर्शाता है।

शासकीय विभागों द्वारा कराए जा रहे निर्माण कार्यों की आयु आखिर क्यों लंबी नहीं होती,क्यों सरकारें इस ओर ध्यान नहीं देती?

शासकीय विभागों द्वारा कराए जा रहे और कराए गए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता उनकी आयु को कम कर देती है,यदि निर्माण के समय ही गुणवत्ता पर ध्यान शासकीय विभाग देने लगें निर्माण कार्यों की आयु लंबी होगी, अब क्यों शासकीय विभाग और उन विभागों के जिम्मेदार लोग निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर ध्यान नहीं देते यह बड़ा सवाल है। वैसे इसके पीछे की मुख्य वजह भ्रष्टाचार है और भ्रष्टाचार की वजह से ही आज निर्माण कार्यों की आयु घटती जा रही है,वैसे वर्तमान में जारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता तो और भी खराब सामने आ रही है और आने वाले समय में निर्माण कार्यों की आयु केवल कुछ वर्ष मात्र होगी ऐसा देखने को मिलना आम होगा।

स्कूली बच्चों ने किया खड़गवां चौकी का भ्रमण, प्रभारी ने समझाया पुलिस के काम करने का तरीका

-संवाददाता-
प्रतापपुर,2 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

एक निजी स्कूल के बच्चों ने शिक्षकों के साथ खड़गवां पुलिस चौकी का भ्रमण किया।प्रभारी योगेंद्र जायसवाल ने उन्हें पुलिस के काम करने का तरीका समझाया तथा कानून की जानकारी दी। स्कूल प्रबंधन ने प्रभारी के स्थानांतरण पर उपहार के साथ शुभकामनाएं भी दीं।

बुधवार की सुबह वैष्णवी ग्रुप आफ स्कूल के प्राचार्य आशीष कुमार गुप्ता,उप प्राचार्य निक्की गुप्ता, शिक्षक पंकज कुमार मिश्रा, शारदा मरावी के साथ सभी बच्चे पुलिस चौकी पहुंचे। एक एक करके उन्होंने सभी पुलिस कर्मियों से मुलाकात की।बच्चों ने प्रभारी योगेंद्र जायसवाल से कहा कि पुलिस की भूमिका हमारे जीवन में महत्वपूर्ण है,आप लोगों की वजह से हम हर जगह सुरक्षित हैं।हमारी इच्छा थी कि कुछ समय आप सभी के बीच हम सब गुजारें और करीब से देखें।योगेंद्र जायसवाल ने बच्चों से कहा कि पुलिस चौबीस घंटे आम जनता की सेवा के लिए होती है। हमारी कोशिश होती है कि अपराध पर लगाम लगे,विभिन्न तरीके से आम लोगों की मदद कर सकें।उन्होंने कहा कि आप सभी बड़े होकर एक जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य निभाना और हमेशा कानून के साथ रहते हुए देश के लिए काम करना।उन्होंने बच्चों से यातायात के नियमों का पालन करने,नशा से दूर रहने,अपराध रोकने में पुलिस की मदद करने सहित अन्य बातें कहीं। इस दौरान स्कूल के अन्य शिक्षकों के साथ पुलिसकर्मी मौजूद थे।

नाम सुधार सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मोहम्मद शाहजाद आलम एवं पत्नि का नाम रूबाना खातुन एवं पुत्री का नाम कनीज फात्मा जो सत्य व सही है। पूर्व में पुत्री नीज फात्मा का जन्म प्रमाण पत्र बना हुआ है जिसमे पिता का नाम सिर्फ शहजाद आलम माता का नाम रफ्त परवीन अंकित किया गया था जो गलत है।

अतः मेरे पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में पिता का सही नाम मोहम्मद शाहजाद आलम एवं माता का सही नाम रूबाना खातुन है जो सत्य एवं सही है।

सपथकर्ता
मोहम्मद शाहजाद आलम
आ0 मोहम्मद अब्बास सिद्धिकी
मोमीनपुरा,अम्बिकापुर,
जिला-सरगुजा,छत्तीसगढ़

नाम सुधार सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मोहम्मद शाहजाद आलम एवं पत्नि का नाम रूबाना खातुन एवं पुत्र का नाम मोहम्मद रजा है जो सत्य व सही है। पूर्व में पुत्र मोहम्मद रजा का जन्म प्रमाण पत्र बना हुआ है जिसमे पिता का नाम सिर्फ शहजाद आलम माता का नाम रफ्त परवीन तथा पुत्र का नाम मो. रजा अंकित किया गया था जो गलत है।

अतः मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में पिता का सही नाम मोहम्मद शाहजाद आलम एवं माता का सही नाम रूबाना खातुन है जो सत्य एवं सही है।

सपथकर्ता
मोहम्मद शाहजाद आलम
आ0 मोहम्मद अब्बास सिद्धिकी
मोमीनपुरा,अम्बिकापुर,
जिला-सरगुजा,छत्तीसगढ़

मरीजों की जान बचाने चिकित्सकों ने डॉक्टर्स डे पर किया रक्तदान

-संवाददाता-
कोरबा,2 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

कोरबा के जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल में डॉक्टर्स डे पर एक नई पहल की शुरुआत हुई। चिकित्सको और मेडिकल छात्रों ने रक्तदान शिविर में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान 20 से अधिक चिकित्सको ने रक्तदान किया। जिला मेडिकल कॉलेज के एमडी पैथोलॉजी डॉ. रविकांत राठौर पिछले 11 सालों से इस क्षेत्र में सेवारत हैं। वे अब तक 30 बार रक्तदान कर चुके हैं। 1 जुलाई मंगलवार को उपवास होने के बावजूद उन्होंने डॉक्टर्स डे पर रक्तदान कर लोगों को प्रेरित किया। शिविर में कुल 150 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। डॉ. विशाल सिंह राजपूत ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंदों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना है। उन्होंने रक्तदान से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करते हुए कहा कि रक्तदान से रक्तचाप नियंत्रित रहता है और व्यक्ति स्वस्थ रहता है। ट्रेनिंग में शामिल जूनियर डॉक्टर आयुष गुप्ता ने भी अपने सीनियर्स के मार्गदर्शन में रक्तदान किया।

चिकित्सको का मानना है कि रक्तदान से स्वस्थ व्यक्ति को कोई नुकसान नहीं होता। इससे दाता को अपने स्वास्थ्य की जानकारी भी मिलती है। चिकित्सको ने लोगों से नियमित अंतराल पर रक्तदान करने का आग्रह किया। उनका कहना है कि रक्तदान महादान है, जो किसी की जान बचा सकता है।

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202506020700186

विषयः-अ-6 मामले की श्रेणीः-राजस्व सन्ः-2024-25
फुन्दूरडिहारी 00016(434/22 (0.027 हे0.)
पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक पक्षकार-मनीषा जायसवाल, अनावेदक पक्षकार-मनोरमा,

ईश्तहार

आवेदिका मनीषा जायसवाल पत्नी राजेश कुमार जायसवाल निवासी ग्राम पकनी तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर छ0ग0 के द्वारा ग्राम फु न्दुरडिहारी स्थित भूमि खसरा नंबर 434/22 रकबा 0.022 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों में पंजीबद्ध दान पत्र के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 14/07/2025 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावाआपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 19/06/2025 को जारी किया जाता हैं।

सील — तहसीलदार अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा,छत्तीसगढ़

रा.प्र.क. /ब-121/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक बिन्दु पाण्डेय पत्नी दयानंद पाण्डेय निवासी शिकारी रोड केनाबांध बौरीपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम थोर स्थित खसरा नंबर 81/5 रकबा 0.020 हे0 भूमि को अनावेदक हीरामनी राजवाड़े पत्नी गोरेलाल राजवाड़े निवासी ग्राम थोर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोईआपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 09/07/2025 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 10/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

सील — तहसीलदार अम्बिकापुर,सरगुजा

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-02 जिला-सरगुजा,छ0ग0

रा.प्र.क.202506021700026 /अ-24/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रेमानन्द तिग्गा आ0 इलियाजर तिग्गा, निवासी गोधनपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा,छ0ग0 के द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि आवेदक के नाम पर ग्राम सरगवां में भूमि खसरा नंबर 890/1 रकबा 0.025 हे0 स्थित है, जो उसके निजी स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि है। आवेदक अपने निजी स्वामित्व की भूमि खसरा नंबर 890/1 रकबा 0.026 हे0 को छ0ग0 शासन को त्यजन करना चाहता है। आवेदक द्वारा अपन आवेदन के साथ भूमि त्यजन का निर्धारित प्रारूप-क (नियम 1) की प्रति संलग्न किया गया है उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 09/07/2025 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 12/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-02

कार्यालय सेनानी 12 वीं वाहिनी (भा./र.)छसबल रामानुजगंज,जिला-बलरामपुर (छ.ग.)

विज्ञप्ति क्रमांक-12वीं बटा0/छसबल/रा.गंज/सा.अ./ए/734-4/2025 दिनांक / / 2025
:: मैनुवल पद्धति खुली निविदा(प्रथम) आमंत्रण सूचना ::

सेनानी 12 वीं वाहिनी(भा./र.) छसबल रामानुजगंज, जिला-बलरामपुर छ.ग. में पीसीएण्डआर मद के अंतर्गत निम्नलिखित निर्माण कार्य के लिए सेनानी 12 वीं वाहिनी की ओर से सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से 02 लिफाफा पद्धति में (लिफाफा ''अ'' में टेक्नीकल बीड एवं लिफाफा ''ब'' में फाईनेंसियल बीड) निर्माण कार्य बाबत मोहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। सीलबंद लिफाफा के ऊपर निविदा सूचना क्रमांक तथा निविदाकर्ता का पूरा नाम/ पता का स्पष्ट उल्लेख किया जाना आवश्यक है।

क्र0	कार्य का नाम	अनुमानित राशि (लाख रूपए में)	अमानत राशि
01	गेट न. 03 के पास नाली निर्माण कार्य	3.82 लाख	3056/-
02	ब्राउनिंग रूम निर्माण कार्य	8.84 लाख	7072/-
03	लेक्चर हॉल के पीछे नाली निर्माण कार्य	3.82 लाख	3056/-
04	गेट न. 03 के पास गार्ड रूम निर्माण कार्य	7.77 लाख	6216/-

01. निविदा प्रपत्र की प्राप्ति तिथि- दि.09.07.2025 से 28.07.2025 के 10.30 बजे से शाम 05.00 बजे तक।
02. निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि- दि.29.07.2025 से अपरान्ह 03.00बजे तक।
03. निविदा खोलने की तिथि - दि. 29/07/2025 के अपरान्ह 4:00 बजे, निविदाकारों की उपस्थिति में खोला जायेगा।

नोटः- निविदा प्राप्त करने हेतु राशि - 750/- (रूपये-सात सौ पच्चास रूपये मात्र) का ई-चालान सेनानी 12 वीं वाहिनी (भा/र/ छसबल रामानुजगंज, जिला-बलरामपुर, छ0ग0 के नाम लेखा शीर्ष ''0055 पुलिस 0800 मिसलिनियस रिसिप्ट'' के नाम से स्वीकार्य होगा। श्रेणी डी एवं अधिक निविदा की अन्य जानकारी एवं शर्तें कार्यालय से प्राप्त निविदा फार्म में उपलब्ध करा दी जायेगी।

सेनानी
12वी वाहिनी (भा./र.) छसबल
रामानुजगंज,जिला-बलरामपुर छ.ग.

जी.नंबर-252601890/3

CMYK

भारत और पाकिस्तान के बीच महामुकाबला 7 सितंबर को यूएई के स्टेडियम में

यूएई, 02 जुलाई 2025। एशिया कप 2025 को लेकर अब चर्चा फिर से शुरू हो चुकी है। सितंबर में इसका आयोजन होना है। इस बीच कहा ये भी जा रहा है कि जल्द ही इसका शेड्यूल जारी हो जाएगा। सभी की नजर इस बात पर है कि भारत और पाकिस्तान के बीच महामुकाबला किस दिन खेला जाएगा। इसकी तारीख भी सामने आ चुकी है, हालांकि अभी तक आधिकारिक शेड्यूल का ऐलान नहीं किया गया है।

5 सितंबर से हो सकता है एशिया कप का आयोजन

अब एशिया कप को लेकर खबर आई है कि इसका पहला मुकाबला 5 सितंबर को खेला जा सकता है। 21 सितंबर को इसका फाइनल खेले जाने की संभावना है। पता चला है कि एसीसी यानी एशियाई क्रिकेट काउंसिल की ओर से एशिया कप का शेड्यूल तैयार कर लिया गया है, जिसे जल्द ही जारी कर दिया जाएगा। टूर्नामेंट करीब 17 दिन तक चलेगा।

7 सितंबर को भारत बनाम पाकिस्तान महामुकाबला तय

एशिया कप हो या फिर आईसीसी टूर्नामेंट, सभी की नजर इस बात पर रहती है कि भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला किस दिन होगा। अभी तक जो खबरें निकलकर सामने आ रही हैं, उसमें पता चला है कि 7 सितंबर को भारत और पाकिस्तान की टीमें आमने सामने होंगी। इस दिन रविवार है। ये पहला लीग मैच होगा। इसके बाद सुपर 4 में भारत और पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर को एक और मुकाबला खेला जा सकता है।

यूएई में होगा टूर्नामेंट,भारत रहेगा मेजबान

वैसे तो भारत को इस बार एशिया कप की मेजबानी है, लेकिन खबर है कि पूरा का पूरा टूर्नामेंट यूएई में खेला जाएगा। हालांकि होस्ट तो भारत ही रहेगा। जल्द ही इस पूरे मामले पर भारत सरकार की भी हरी झंडी मिल जाएगी। एशिया कप में इस बार भारत और पाकिस्तान के अलावा श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और यूएई की टीमें भी हिस्सा लेती हुई नजर आएंगी।

विराट कोहली और रोहित शर्मा नहीं होंगे एशिया कप का हिस्सा

इस बार एशिया कप टी20 फॉर्मेट पर होगा। इसलिए इसमें विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे स्टार भारतीय खिलाड़ी तो नहीं खेल पाएंगे। वहीं पाकिस्तान की बात की जाए तो बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान और शाहीन शाह अफरीदी भी शायद एशिया कप से बाहर ही रहेंगे, क्योंकि वे इस वक्त पाकिस्तान की टी20 टीम का हिस्सा नहीं हैं।

हरमनप्रीत कौर पहुंची दूसरे नंबर पर

नई दिल्ली, 02 जुलाई 2025। इंग्लैंड के दौरे पर भारतीय महिला टीम का 5 मैचों टी20 सीरीज के अभी तक पहले 2 मैचों में मैदान पर बेहतरीन प्रदर्शन देखने को मिला है। टीम इंडिया ने पहले मैच को जहां 97 रनों से अपने नाम किया था, तो वहीं दूसरे मुकाबले को 24 रनों से जीता। इस सीरीज पहले मैच से हेड इंजरी के चलते बाहर रहने वाली कप्तान हरमनप्रीत कौर की भी दूसरे मुकाबले में वापसी हुई और टीम ने एक बेहतरीन जीत भी हासिल की। हरमनप्रीत कौर इस जीत के साथ अब महिला टी20 क्रिकेट के इतिहास में बतौर कप्तान सबसे ज्यादा मुकाबले जीतने के मामले में दूसरे नंबर पर पहुंच गई हैं।

हरमनप्रीत कौर ने हीथर नाइट को छोड़ा पीछे

टीम इंडिया की धाकड़ कप्तान हरमनप्रीत कौर अब महिला टी20 क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा मैच जीतने के मामले बतौर कप्तान दूसरे नंबर पर आ गई हैं, जिसमें हरमनप्रीत के नेतृत्व में भारतीय महिला टीम ने अब तक 124 मैच खेले हैं और उसमें से 73 मुकाबलों में जीत हासिल की है। इस लिस्ट में पहले नंबर पर ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मेग लेनिंग का नाम है, जिसमें उन्होंने 100 टी20 मैच खेले हैं और उसमें से उनकी टीम को 76 मैचों में जीत हासिल हुई है।

इस मामले में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को छोड़ दिया पीछे

भारतीय महिला और पुरुष टीम ने मिलकर इंग्लैंड को उसी के घर पर अब तक कुल 10 टी20 मुकाबलों में मात देने में कामयाबी हासिल की है। इस तरह से टीम इंडिया ने इस मामले में ऑस्ट्रेलिया को पीछे छोड़ दिया है ।

आईसीसी रैंकिंग में फिर हुआ उलटफेर

- ऋषभ पंत को बिना खेले फायदा
- ट्रेविस हेड ने भी मारी लंबी छलांग

नई दिल्ली,02 जुलाई 2025। आईसीसी ने एक बार फिर से नई टेस्ट रैंकिंग जारी कर दी है। इस बार भी कई सारे बदलाव नजर आ रहे हैं। इस बीच भारत के ऋषभ पंत को एक स्थान का फायदा बिना खेले ही मिल गया है। वहीं ट्रेविस हेड ने लंबी छलांग मारते हुए फिर से टॉप 10 में अपनी जगह पक्की कर ली है। पाकिस्तान के साउद शकील जरूर अब टॉप के 10 बल्लेबाजों की लिस्ट से आउट हो गए हैं।

जो रूट अभी भी आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक बल्लेबाज

आईसीसी की टेस्ट रैंकिंग में इस वक्त इंग्लैंड के जो रूट पहले नंबर पर हैं। उनकी रेटिंग 889 की चल रही है। इसके बाद दूसरे नंबर पर इंग्लैंड के ही हैरी ब्रूक हैं। उनकी रेटिंग 874 की है। न्यूजीलैंड के केन विलियमसन 867 की रेटिंग के साथ आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में इस वक्त तीसरे नंबर की कुर्सी पर काबिज हैं।

जायसवाल नंबर 4 पर, ऋषभ पंत अब छठे स्थान पर पहुंचे

भारत के यशस्वी जायसवाल की रेटिंग इस वक्त 851 की चल रही है और वे आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में नंबर 4 पर हैं। स्टीव स्मिथ 816 की रेटिंग के सथ नंबर 5 की कुर्सी पर बने हुए हैं। इस बीच ऋषभ पंत अब नंबर 7 से छह पर आ गए हैं। उनकी रेटिंग हालांकि पहले की ही तरह 801 की है, लेकिन टेम्बा बावुमा चूंकि नीचे चले गए हैं, इसलिए पंत को एक स्थान का उछाल मिला है।

ट्रेविस हेड की टॉप 10 में वापसी,साउद शकील हुए बाहर

टेम्बा बाबुमा ने वैसे तो कुछ खराब नहीं किया है, लेकिन चोट के कारण वे जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज नहीं खेल पा रहे हैं। लिहाजा उनकी रेटिंग अब घटकर 798 की हो गई है। इंग्लैंड के बेन डकेट अभी भी 787 की रेटिंग के साथ नंबर 8 पर हैं, वहीं श्रीलंका के कामेंदु मेंडिस की रेटिंग 781 की है। वे नंबर 9 पर हैं। इस बीच ट्रेविस हेड ने एक साथ तीन स्थानों की छलांग मारी है। वे अब नंबर 10 पर पहुंच गए हैं। उनकी रेटिंग 756 की है। ट्रेविस हेड की छलांग से पाकिस्तान के साउद शकील, जो इससे पहले नंबर 10 पर थे, अब 11 वें स्थान पर खिसक गए हैं।

चैंपियंस लीग टी-20 है वापसी के लिए तैयार

2026 से शुरू हो सकता है टूर्नामेंट

नई दिल्ली,02 जुलाई 2025। वैश्विक फ्रेंचाइजी क्रिकेट को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। सालों से बंद पड़ी चैंपियंस लीग टी-20 क्रिकेट अब एक नए रूप में वापसी करने जा रही है। यह टूर्नामेंट अब वर्ल्ड क्लब चैंपियनशिप के नाम से 2026 में शुरू होगा। इस बार इसका ढांचा पहले की चैंपियंस लीग की तरह ही होगा, जिसमें दुनिया भर की प्रमुख टी-20 लीगों की खिताब जीतने वाली टीमें हिस्सा लेंगी। कई सालों से फैंस इसकी वापसी की उम्मीद कर रहे थे। रिपोर्ट के अनुसार, इससे घरेलू टी-20 क्रिकेट को एक वैश्विक मंच मिलेगा, जहां दुनिया की बेहतरीन फ्रेंचाइजी आपस में भिड़ेंगी। माना जा रहा है कि इस नई लीग में इंडियन प्रीमियर लीग, बिग बैश लीग, पाकिस्तान सुपर लीग, साउथ अफ्रीका टी-20 लीग और द हंड्रेड जैसी प्रमुख लीगों की चैंपियन टीमें आमने-सामने होंगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड इसको लेकर तैयार हो चुके हैं। लीग की वापसी को मजबूत समर्थन मिलता दिख रहा है। रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई और ईसीबी दोनों इसके पक्ष में हैं और इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के चेयरमैन जय शाह ने भी इसे मंजूरी दी है। खास बात यह है कि ईसीबी इस बार पारंपरिक टी-20 क्रिकेट लीग की बजाय द हंड्रेड के चैंपियन को शामिल करने की वकालत कर रहा है, जो दर्शाता है कि अब पूरा ध्यान अधिक आकर्षक और नए प्रारूपों की ओर बढ़ रहा है। हाल ही में ईसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रिचर्ड गोल्ड ने संकेत दिया कि इस प्रकार की प्रतियोगिता अब लगभग तय मानी जा सकती है। उन्होंने कहा था, यह योजना में शामिल है। इसमें कोई संदेह नहीं कि आने वाले समय में पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए एक वर्ल्ड क्लब चैंपियनशिप होगी। यही अगला स्वाभाविक कदम है। उनका यह बयान लीग की वापसी की संभावनाओं को और मजबूत करता है।

ऋचा घोष ने रचा इतिहास

» इंग्लैंड के खिलाफ अर्धशतकीय पारी खेल बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 02 जुलाई 2025। भारतीय महिला क्रिकेट टीम और इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम के बीच मंगलवार देर रात 11 बजे से पांच टी20 मैचों की सीरीज का दूसरा टी20 मैच ब्रिस्टल के मैदान पर खेला गया। इस मैच में भारत ने इंग्लैंड को 24 रनों से हरा दिया। भारत ने इंग्लैंड में जाकर इंग्लैंड को पहली पारी लगातार 2 टी20 मुकाबले में हराया है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की इस जीत में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष का भी योगदान रहा। उन्होंने जब भारत इंग्लैंड के सामने टारगेट सेट करने वाला था उस समय बल्ले के साथ 20 बॉल में 6 चौकों की मदद से 32 रनों की तेज-तर्रार नाबाद पारी खेली। इस पारी के साथ ही उन्होंने इतिहास रच दिया। उनकी 32 रनों की पारी से उन्होंने वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

भारत को गोल्ड दिलाने वाली शूटर, जिन्हें विरासत में खेल के साथ मिली राजनीति

नई दिल्ली,02 जुलाई 2025। शूटिंग में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन कर चुकीं आरती सिंह राव आज राजनीति में भी काफी नाम कमा चुकी हैं। आरती को खेल और राजनीति, दोनों विरासत में मिली हैं। 3 जुलाई 1979 को हरियाणा में जन्मीं आरती सिंह जब महज पांच साल की थीं, तो उन्होंने घर पर धमाके की तेज आवाज सुनी। नन्हीं आरती इससे डर गईं। वह दौड़कर मां से लिपट गईं। बेटी को कांपता देखकर मां, मुस्कुराईं और बताया कि डरने की कोई बात नहीं। पापा शूटिंग की प्रैक्टिस कर रहे हैं। आरती सिंह के पिता राव इंद्रजीत सिंह लगातार तीन साल स्कीट में नेशनल चैंपियन रह चुके हैं। उन्होंने जब देखा कि बेटी बंदूक से डर गई, तो इसी डर को खत्म करने के लिए उसे प्रैक्टिस पर लेकर जाना शुरू कर दिया। डर खत्म करने के इरादे से आरती सिंह ने रायफल हाथ में थामी और धीरे-धीरे अपने सटीक निशानों से सभी को हैरान कर दिया। धीरे-धीरे आरती सिंह लोगों को चौंकाते हुए अपने शूटिंग करियर को आगे बढ़ाती गईं। उन्होंने मनशेर सिंह के सामने ही उनके 14 बार के नेशनल चैंपियन बनने का रिकॉर्ड तोड़ा था। आरती सिंह ने देश को एशियन चैंपियनशिप में चार मेडल दिलाए हैं। साल 2003 में आरती नई दिल्ली में आयोजित विमेंस स्कीट इवेंट में सिल्वर जीत चुकी थीं।

एंडरसन पीटर्स ने नीरज चोपड़ा क्लासिक से नाम वापस लिया

मुंबई, 02 जुलाई 2025। दो बार के विश्व चैंपियनशिप स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी एंडरसन पीटर्स टखने की चोट के कारण मंगलवार को नीरज चोपड़ा क्लासिक से बाहर हो गए, जिससे शोपीस को एक और झटका लगा। 27 वर्षीय ग्रेनेडा के इस दिग्गज ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक में नीरज के पीछे कांस्य पदक जीता था, शनिवार के कार्यक्रम में उनकी जगह पोलैंड के साइप्रियन मिर्जिग्लोड को शामिल किया गया है। मिर्जिग्लोड 2019 के यूरोपीय अंडर-23 चैंपियन हैं और उन्होंने इस इवेंट के दौरान 84.97 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया था। आयोजकों ने एक बयान में कहा, ÷एंडरसन पीटर्स अपनी पिछली प्रतियोगिता के दौरान लगी टखने की चोट के कारण नीरज चोपड़ा क्लासिक 2025 से बाहर हो गए हैं।

अभिषेक बच्चन को याद आया वह समय जब कोई उनका ऑटोग्राफ लेने नहीं आया

अभिषेक बच्चन को इंडस्ट्री में आए हुए लगभग 25 साल हो चुके हैं। इन सालों में उन्होंने कई बेहतरीन किरदार दिए हैं। लेकिन जब उन्हें रिफ्यूजी के साथ इंडस्ट्री में लॉन्च किया गया था, तो यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई थी। हॉलीवुड रिपोर्टर से बात करते हुए उन्होंने कई बार याद किया जब वे ऐसे कमरों में चले गए थे, जहां से गुजरते समय लोगों ने उन्हें नोटिस नहीं किया था और उन्हें यह सब सहना पड़ा था। अभिषेक बच्चन ने खुलासा किया कि अभिनेता बहुत नाजुक होते हैं इंटरव्यू में, अभिषेक बच्चन ने कबूल किया कि अभिनेता बहुत नाजुक लोग होते हैं। वे बाहर से मजबूत होने का दिखावा करते हैं, लेकिन वास्तव में, अंदर से वे डरे हुए बच्चों की तरह होते हैं जो हमेशा मान्यता चाहते हैं। सरकार ने आगे कहा कि हर अभिनेता को कहीं बाहर कदम रखते समय अनजान होने का डर होता है। उन्हें उम्मीद है कि हर अभिनेता को दोनों का अनुभव होना चाहिए, और तभी कोई उनमें से प्रत्येक का महत्व समझना सीखेगा।

जूनियर बच्चन ने कहा, मैं ऐसे कमरों में गया हूँ जहाँ कोई भी आपकी तरफ मुड़कर नहीं देखता। मैं होटल की लॉबी में गया हूँ, और इससे कोई फर्क नहीं पड़ा। मुझे उम्मीद थी कि इससे फर्क पड़ेगा क्योंकि मैं एक फिल्म स्टार हूँ... उन्होंने आगे कहा कि जब कोई अभिनेता होटल की लॉबी में जाता है, तो वे उम्मीद करते हैं कि कोई ऑटोग्राफ लेने आएगा, और फिर, जब कोई नहीं आता है, तो आपको इसे सहना पड़ता है और आगे बढ़ना पड़ता है। धूम के रिलीज़ होने के बाद के समय के बारे में बात करते हुए, अभिषेक ने मैरियट लॉबी को एक ठहराव पर आते हुए याद किया। आप केवल इसलिए इसका महत्व समझते हैं क्योंकि आप दूसरी तरफ़ से रहे हैं। और क्योंकि आप दूसरी तरफ़ से रहे हैं, आप कभी भी वहाँ वापस नहीं जाना चाहते हैं, इसलिए आप और भी ज़्यादा मेहनत करते हैं... मैं अक्सर यह कहता हूँ सफलता की नींव असफलता की ज़मीन पर रखी जाती है। ऋतिक रोशन ने अभिषेक बच्चन से क्या कहा? ऋतिक रोशन ने अभिषेक बच्चन से उसी रात कुछ कहा था जब मैरियट लॉबी में ठहराव आ गया था। यह बात अमिताभ बच्चन के बेटे के साथ अब तक बनी हुई है। ऋतिक ने उसे गले लगाया और आई वांट टू टॉक अभिनेता के कान में कुछ कहा, अब तक तो कुछ नहीं था, अब तुम्हारी परेशानियाँ शुरू हो गई हैं। अब तुम्हारे पास खोने के लिए कुछ है।

टाइगर श्रॉफ की बागी 4' को लेकर फैंस में क्रेज, बिना ट्रेलर के इंटरनेट पर मचाया धमाल

टाइगर श्रॉफ की एक झलक पाने के लिए फैन्स बेताब हैं, और इसका ताज़ा उदाहरण है बागी 4'। हैरानी की बात यह है कि अभी तक फिल्म का कोई ऑफिशियल टीज़र या ट्रेलर रिलीज़ नहीं हुआ, लेकिन इंटरनेट पर इस फिल्म को लेकर जबर्दस्त क्रेज़ बना हुआ है। फैनमेड पोस्टर,एआई-जनित एक्शन क्लिप्स और नकली ट्रेलर इतने रियल लगते हैं कि लोग इन्हें ऑरिजिनल समझने की गलती कर बैठते हैं।आजकल सोशल मीडिया पर जो सबसे ज्यादा ट्रेंड कर रहा है, वो है बागी 4 का ट्रेलर लीक जैसे वीडियो। यूट्यूब से लेकर इंस्टाग्राम रील्स तक,काल्पनिक फाइट सीक्वेंस, एआई से बनी टाइगर श्रॉफ की स्टाइलिश एंट्री,और एडिटेड क्लिप्स ने एक अलग ही माहौल बना दिया है। यह सिर्फ फैन एडिट नहीं हैं, यह एक मूवमेंट है। टाइगर श्रॉफ की बागी'फ्रैंचाइज़ी ने हमेशा एक वफादार दर्शक वर्ग तैयार किया है, लेकिन बागी 4' के लिए लोगों की दीवानगी पहले से कहीं अधिक दिखाई दे रही है। फेक क्लिप्स के लाखों व्यूज़,कमेंट सेक्शन में फिल्म की तारीफें,और वॉट्सऐप फॉरवर्ड्स में वायरल होती फैन थ्योरीज़–यह सब इस बात का सबूत हैं कि जनता इस फिल्म के लिए कितनी उत्साहित है।टाइगर श्रॉफ की ब्रांड वैल्यू अब सिर्फ सिनेमा हॉल तक सीमित नहीं रही। उनका एक्शन, फिटनेस और लाइफस्टाइल आज की युवा पीढ़ी को प्रेरित कर रहा है। यही वजह है कि बिना किसी प्रमोशनल कैम्पेन के भी बागी 4' ऑनलाइन वर्ल्ड में ट्रेंडिंग टॉपिक बना हुआ है।सूत्रों के मुताबिक, फिल्म का ट्रेलर जुलाई 2025 में रिलीज़ हो सकता है। लेकिन अगर नकली टीज़र्स ही इतना बवाल मचा रहे हैं, तो सोचिए जब असली ट्रेलर आएगा, तो इंटरनेट कैसे हिल जाएगा! यह फिल्म टाइगर श्रॉफ के करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग बन सकती है।

भारत माला परियोजना घोटाले की गूंज जोरों पर

जैतूसाव मठ के 2 करोड़ से अधिक का मुआवजा झटकने वाली महिला की जमानत हाई कोर्ट से भी खारिज

खनूजा है पूरे गिरोह का मास्टरमाइंड

दुर्ग से विशाखापत्तनम और मुंबई से कोलकाता को जोड़ने वाली भारत माला सड़क परियोजना रायपुर के अभनपुर से होकर गुजर रही है। इस प्रोजेक्ट में भू-अर्जन के लिए सरकार ने राजपत्र में नोटिफिकेशन जारी किया था। अभियोजन के मुताबिक जमीन दलाल हरमीत सिंह खनूजा ने राजस्व अधिकारियों के साथ मिलकर एक बड़ा सिंडिकेट बनाया। इस सिंडिकेट ने बड़ी जमीनों को छोटे-छोटे टुकड़ों में बांटकर मुआवजा घोटाला किया। इसमें तत्कालीन भू-अर्जन अधिकारी, एसडीएम निर्भय साहू, तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक और पटवारियों की मिलीभगत थी। इस घोटाले से सरकार को करोड़ों का नुकसान हुआ।

» फरार एसडीएम साहू से की थी मिलीभगत

बिलासपुर,02जुलाई2025(ए)। भारत माला परियोजना में मुआवजा घोटाले की आरोपी उर्वशी तिवारी की जमानत याचिका हाई कोर्ट में भी ख़ारिज कर दी गई है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस विभू दत्ता गुरु की डबल बेंच ने जमानत याचिका को खारिज कर दिया। उर्वशी तिवारी समेत अन्य आरोपी ढाई महीने से जेल में बंद हैं।

मठ के नाम की जमीन का लिया मुआवजा

एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) और ईओडब्ल्यू ने इसी घोटाले में हरमीत सिंह खनूजा, विजय जैन, उर्वशी तिवारी और उसके पति केदार तिवारी को ढाई महीने पहले गिरफ्तार किया था।हाई कोर्ट ने उर्वशी तिवारी की जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद इसे खारिज कर दिया। कोर्ट का मानना है कि मामला गंभीर है और जांच अभी चल रही है। इस घोटाले ने न सिर्फ सरकारी खजाने को चपत लगाई, बल्कि भारत माला जैसी महत्वाकांक्षी परियोजना की साख पर भी सवाल उठाए हैं।

एसडीएम के लिए ख़रीदा सोने का बिस्किट

उधर कबीर धाम जिले से पहली व छठवीं कक्षा की दाखिला पंजी निकालने से पता चला कि उमा तिवारी का असली नाम ओंकारेश्वरी है जिसे मंदिर का मुआवज़ा हड़पने के लिए अपना नाम बदल दिया गया था। शासन का मुआवजा सवा दौ करोड़ आईसीआईसी आई बैंक महासमुंद के खाते मे आते ही तत्काल हरमीत सिंह खनुजा व विजय जैन गोलबाजार के खाते में ट्रांसफ़र कर दिया गया। एसडीएम निर्भय साहू के लिए आभूषण ज्वेलर्स से तीस लाख का सोने का बिस्किट ख़रीदा गया।

मामले में मंदिर ट्रस्ट कमेटी के सत्यनारायण शर्मा, अजय तिवारी ने शीघ्र ही भू माफियाओं द्वारा मंदिर व शासन की राशि हड़पकर ख़रीदी गई संपत्ति को जप्त कर वसूली करने की मांग की है।

इस तरह किया घोटाला

भारतमाला परियोजना में ठाकुर राम चंद्र स्वामी, जैतु साव मठ का मुआवजा दौ करोड़ तेरह लाख अठाईस हजार पांच सौ पैंसठ रुपए बना था। जिसे उर्वशी तिवारी ने उमा तिवारी पिता स्व. विश्व नाथ पांडेय बनकर झूठा आवेदन व शपथ पत्र देकर तत्कालीन भू अर्जन अधिकारी निर्भय साहू से मिली भगत कर शासन से ले लिया था। जबकि उमा तिवारी के पिता नंद कुमार तिवारी जिवित है और ग्राम कंझेटा जिला कबीर धाम जिले में रहते हैं। करोड़ों का मुआवजा हड़पने के लिए उर्वशी ने नाम बदलकर उमा तिवारी व अपने पिता का नाम बदल कर विश्वनाथ पांडे रख लिया, उक्त मुआवजा राशि वास्तव मे राम चंद्र स्वामी मंदिर, जैतु साव मठ के नाम पर अवार्ड पारित होने से मंदिर को मिलना था। जिसे हरमीत सिंह खनुजा व विजय जैन के साथ मिलकर उमा तिवारी ने सबसे पहले जिला रिकॉर्ड रुम के नामांतरण पंजी में स्व. विश्वनाथ पांडेय की पुत्री उमा तिवारी पति कैदार तिवारी होना बताकर व विश्वनाथ पांडे की संपत्ति ग्राम उगेतरा मे मंदिर से ख़रीदना बताकर,ग्राम उगेतरा की वर्ष 1986 की राजस्व नामांतरण पंजी मे कूट रचना कर सन 2000 मे उमा तिवारी पति कैदार तिवारी का नाम पर चढ़ा दिया गया जबकि उक्त वर्ष में उमा तिवारी की उम्र मात्र छै वर्ष थी। छै वर्ष की उम्र में पति का नाम पर मंदिर की भूमि नामांतरण पंजी में दर्ज देखकर जाँच अधिकारियों का माथा ठनका तब सूक्ष्म जांच में उमा तिवारी की शादी वर्ष 1998 में होने की बात सामने आयी, जबकि नामांतरण पंजी में बारह साल पहले 86 में ही पति कैदार तिवारी का नाम दर्ज कर दिया गया था।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

छत्तीसगढ़ विधानसभा पत्रकारों को 5 जुलाई को दिया जाएगा प्रशिक्षण

रायपुर,02जुलाई2025(ए)। विधानसभा सचिवालय द्वारा पत्रकारों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 5 जुलाई को किया जा रहा है। शिविर में वरिष्ठ पत्रकार हिमांशु द्विवेदी, डॉ. संजय द्विवेदी एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह आवश्यक टीप्स देंगे। विधानसभा सचिवालय के अनुसार यह प्रशिक्षण दो पालियों में दिया जाएगा। पहले सत्र में माखन लाल पत्रकारिता विश्वविद्यालय के डॉ. संजय द्विवेदी पत्रकारों को विधानसभा की निष्पक्ष रिपोर्टिंग एवं नियम कानून की आवश्यक जानकारी देंगे। ध्यानकर्षण, स्थगन प्रस्ताव सहित अन्य विषयों पर भी सटिक चर्चा करेंगे। इस अवसर विधानसभा सचिवालय के सचिव डॉ. दिनेश शर्मा उपस्थित रहेंगे।

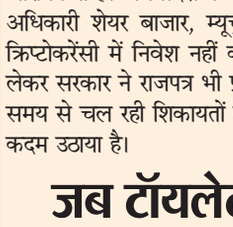

कोई भी अधिकारी कर्मचारी नहीं कर पाएगा यहां निवेश

रायपुर,02जुलाई2025(ए)। छत्तीसगढ़ सरकार ने अपने कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए सख्त आदेश जारी किया है। अब प्रदेश के कोई भी सरकारी कर्मचारी-अधिकारी शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड, डिबेंचर और क्रिप्टोकरेंसी में निवेश नहीं कर पाएंगे। इस आदेश को लेकर सरकार ने राजपत्र भी प्रकाशित कर दिया है। लंबे समय से चल रही शिकायतों के बाद सरकार ने ये कड़ा कदम उठाया है।

जब टॉयलेट में दिखा मोबाइल,फिर मचा हंगामा

» टॉयलेट में मोबाइल छिपाकर हेड मास्टर बनाता था वीडियो

» जब शिक्षिकाओं की अचानक पड़ी नजर,फिर मचा शोर

रायपुर,02जुलाई 2025(ए)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से बेहद शर्मसार कर देने वाला निकलकर सामने आया है। यहां स्कूल के हेड मास्टर ने महिला टॉयलेट में मोबाइल रखकर वीडियो बनाया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आईईडी की चपेट में आया ग्रामीण

» गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज में भर्ती

बीजापुर,02जुलाई 2025(ए)। जिले में एक बार फिर नक्सलियों की कायराना हरकत सामने आई है। जिले के एक अंदरूनी इलाके में जमीन में दबाए गए प्रेशर आईईडी की चपेट में आकर एक ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गया है। घटना के तुरंत बाद घायल युवक को जगदलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

श्री रावतपुरा सरकार इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च में सीबीआई की रेड

3 डॉक्टर समेत 6 लोग गिरफ्तार किए गए...

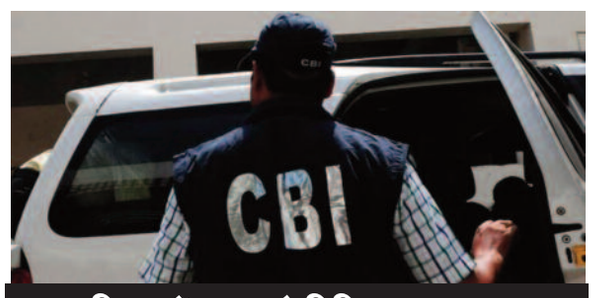

40 ठिकानों पर छापे,डिजिटल सबूत जब्त

सीबीआई की यह कार्रवाई सिर्फ छत्तीसगढ़ तक सीमित नहीं रही। दिल्ली, राजस्थान,कर्नाटक,यूपी और मध्य प्रदेश सहित देशभर में 40 से ज्यादा स्थानों पर छापेमारी की गई, लेकिन केंद्र में रहा नवा रायपुर का यह निजी मेडिकल कॉलेज,जहां से पूरा मामला शुरू हुआ।सीबीआई अधिकारियों ने कहा कि यह मामला देश की मेडिकल शिक्षा प्रणाली में भ्रष्टाचार की जड़ें कितनी गहरी हैं,इसका संकेत है। एजेंसी अब दस्तावेजों की गहन जांच, आरोपियों की पूछताछ और आर्थिक लेन-देन की परतें खोलने में जुटी है। सीबीआई ने साफ किया है कि यह सिर्फ शुरुआत है, आगे और मेडिकल संस्थानों की भूमिका की भी जांच हो सकती है।

रायपुर,02जुलाई 2025(ए)। छत्तीसगढ़ की राजधानी नवा रायपुर स्थित श्री रावतपुरा सरकार इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च में मान्यता प्रक्रिया के दौरान कथित रिश्वतखोरी और रिपोर्ट में हेराफेरी का मामला सामने आया है। सीबीआई ने सोमवार को तीन डॉक्टरों समेत छह लोगों को गिरफ्तार कर देशभर में फैले भ्रष्टाचार के एक और जाल को उजागर किया। इस पूरे प्रकरण में आरोप है कि संस्थान के पदाधिकारी और बिचौलिए मिलकर मेडिकल काउंसिल की मान्यता रिपोर्ट को अनुकूल बनाने के लिए निरीक्षणकर्ताओं को रिश्वत दे रहे थे। 55 लाख रुपये की यह रिश्वत बेंगलुरु में दी गई थी, ताकि संस्थान को बिना तय मानकों के ही हरी झंडी मिल सके। सीबीआई को जब पुख्ता सूचना मिली कि मान्यता रिपोर्ट के बदले बड़ी रिश्वत दी जा रही है,तब एजेंसी ने योजनाबद्ध तरीके से छत्तीसगढ़ समेत देश के छह राज्यों में एक साथ कार्रवाई की। रायपुर में प्रमुख स्थानों पर छापेमारी हुई और सबूत जुटाए गए। गिरफ्तार किए गए लोगों में तीन डॉक्टर (निरीक्षण प्रक्रिया में शामिल), संस्थान का एक वरिष्ठ पदाधिकारी और तीन बिचौलिए शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ सरकार को धान खरीदी में 8000 करोड़ का घाटा

» छत्तीसगढ़ सरकार की बड़ी चिंता

» अफसरों की लापरवाही से और बढ़ा नुकसान

रायपुर,02जुलाई 2025(ए)। इस साल राज्य में धान खरीदी में सरकार को मुनाफे की जगह भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदे गए धान की कस्टम मिलिंग समय पर नहीं हो सकी और अप्रैल में नीलामी टेंडर भी जारी नहीं हुआ। पिछले साल की तुलना में तीन मिलियन मीट्रिक टन अधिक चावल खरीदा गया, लेकिन खाद्य और मार्कफेड विभाग की तैयारियां नाकाफी रहीं।

इस तरह सरकार करोड़ों रुपए के नुकसान से बच सकती है

बारिश शुरू होते ही अधिकारी तुरंत हरकत में आ गए और अब कई स्थानों पर बचा हुआ चावल खुले आसमान के नीचे सड़ रहा है। यदि सरकार 3,100 रुपये पर धान खरीदने के बजाय बाजार मूल्य के अंतर की 1,800 रुपये (1,300 रुपये) के रूप में मार्जिन मनी सीधे किसानों के खातों में स्थानांतरित कर दे, तो खजाने को हजारों करोड़ रुपए के नुकसान से बचाया जा सकता है।

बहुत सारा चावल खुले में पड़ा है...

फिलहाल 3.70 करोड़ क्विंटल धान खुले में पड़ा है और सरकार को इसे 1,900 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर बेचना पड़ रहा है। इससे प्रति क्विंटल 2,200 रुपये और कुल 8,000 करोड़ रुपये का नुकसान होने की संभावना है। अप्रैल में बाजार में चावल की कीमत 2,300 से 2,400 रुपये थी। लेकिन टेंडर में देरी और रबी सीजन में धान की आवक कम होने के कारण कीमत गिरकर 1,800 रुपये रह गई। यदि टेंडर समय पर हो जाता तो 1,800 करोड़ रुपये तक की बचत संभव हो सकती थी।

कीमत 4,100 रुपये, बिक्री 1,900 रुपये

किसानों से 3,100 रुपये में खरीदे गए धान में परिवहन, भंडारण, सुखाने और अन्य लागतें जोड़ने पर यह 4,100 रुपये प्रति क्विंटल आता है। अब वही धान नीलामी में 1,900 रुपए में बेचा जा रहा है। मिलर्स भी टेंडर में रुचि नहीं ले रहे हैं, क्योंकि बाजार में सस्ता चावल उपलब्ध है। वे महंगा वाला क्यों खरीदेंगे?

बालको अस्पताल को मिला प्रतिष्ठित एनएबीएच मान्यता

» कंपनी को मिली एक और बड़ी उपलब्धि

बालकोनगर,02जुलाई 2025(ए)। बालको अस्पताल को प्रतिष्ठित एनएबीएच (नेशनल एक्रेडिटेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल्स एंड हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स) की मान्यता प्राप्त हुई। यह उपलब्धि रोगी केंद्रित सेवा और गुणवत्ता युक्त डायग्नोस्टिक सेवाएं प्रदान करने के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को और भी मजबूत बनाती है। एनएबीएच मान्यता देश में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और विश्वसनीयता का प्रतीक मानी जाती है। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि बालको अस्पताल प्रयोगशाला परीक्षणों में सर्वोच्च राष्ट्रीय मानकों का पालन करता है और मरीजों को सटीक, सुरक्षित तथा रोगी केंद्रित सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। एनएबीएच मान्यता प्राप्त करना अस्पताल की गुणवत्ता, दक्षता और निरंतर सुधार की सोच को दर्शाता है।चिकित्सक दिवस के अवसर पर बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने अस्पताल के चिकित्सकों को उनके उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया। साथ ही एनएबीएच उपलब्धि के लिए सीईओ राजेश कुमार ने बालको अस्पताल की टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

महिला आरक्षक ने फांसी लगाकर दी जान

कोंडागांव,02जुलाई 2025(ए)। कोंडागांव से बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां केशकाल थाने में पदस्थ एक महिला आरक्षक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उनका शव हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित उसके घर में फांसी के फंदे पर लटकी मिली। घटना से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। मृतिका के पिता दूसरे जिले में प्रधान आरक्षक के पद पर कार्यरत हैं। जानकारी के अनुसार, बीती रात महिला आरक्षक ने बार-बार आवाज देने के बावजूद दरवाजा नहीं खोला। इसके बाद केशकाल पुलिस ने दरवाजा तोड़ा तो अंदर वह फांसी पर लटकी मिली। पुलिस ने शव को उतारा और पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए मर्च्युरी भेज दिया।

सरगुजा आएंगे शिवराज सिंह एवं नड्डा

रायपुर,02जुलाई 2025(ए)। भारतीय जनता पार्टी विधायकों को मैनपाट सरगुजा में तीन दिवसीय प्रशिक्षण 7 जुलाई से दिया जाएगा। इस कार्यक्रम में केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह, संगठन मंत्री शिवप्रकाश एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की आने की जानकारी मिली है। प्रदेश संगठन मंत्री सहित स्थानीय विधायक सुरक्षा पार्किंग सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षण शिविर स्थल का जायजा लेने पहुंचे।मध्यप्रदेश की तर्ज पर छत्तीसगढ़ में भी विधायकों के लिए तीन प्रशिक्षण शिविर सरगुजा संभाग के मैनपाट में आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य विधायकों को प्रशासनिक एवं राजनीतिक प्रशिक्षण सहित पार्टी की विश्वसनीयता तथा जनाधार बढ़ाने के गुर सिखाना है। इस शिविर में आने के लिए केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने अनुमति दे दी है। इसके अलावा अंतिम दिन गृहमंत्री अमित शाह संबोधित करेंगे।

छत्तीसगढ़ की 9 राजनीतिक दल 6 साल से निष्क्रिय

रायपुर,02 जुलाई 2025(ए)। भारत निर्वाचन आयोग ने देशभर के 345 पंजीकृत अप्रमाणित राजनीतिक दलों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है। आयोग के अनुसार, इन दलों ने वर्ष 2019 से बीते छह वर्षों के दौरान किसी भी चुनाव में भाग नहीं लिया है और इनका कोई सक्रिय कार्यालय भी मौजूद नहीं पाया गया है।

छत्तीसगढ़ में मानसून हुआ एक्टिव

» जगदलपुर जिले के सभी स्कूलों में छुट्टी

रायपुर/जगदलपुर,02जुलाई 2025(ए)। छत्तीसगढ़ में मानसून पूरी तरह सक्रिय हो चुका है और कई जिलों में झमाझम बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने खास तौर पर जगदलपुर सहित बस्तर अंचल में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इसी चेतावनी को ध्यान में रखते हुए जगदलपुर के कलेक्टर एस. हरीश ने जिले के सभी स्कूलों को आज 2 जुलाई के लिए बंद रखने का आदेश जारी किया है।

प्रशासन अलर्ट मोड में,लोगों से सतर्क रहने की अपील

बस्तर सहित कई जिलों में संभावित भारी वर्षा को लेकर प्रशासन ने अलर्ट जारी कर दिया है। स्कूल बंद करने जैसे कदम ऐहतियातन उठाए गए हैं ताकि बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। स्थानीय नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे अनावश्यक रूप से यात्रा से बचें और प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें।

ग्राम पेरमपल्ली में धारदार हथियार से एक ग्रामीण की हत्या

बीजापुर,02जुलाई 2025(ए)। जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों से नक्सली गतिविधियों और एक हत्या की चिंताजनक घटनाएं सामने आई हैं, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। थाना उसूर क्षेत्र के ग्राम पेरमपल्ली में 1 जुलाई की रात अज्ञात व्यक्तियों ने धारदार हथियार से हमला कर एक ग्रामीण की हत्या कर दी।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। हत्या के कारणों और आरोपियों की पहचान के प्रयास जारी हैं। पुलिस का कहना है कि जल्द ही इस मामले में कार्रवाई कर दोषियों को पकड़ा जाएगा।

इन दोनों घटनाओं ने बीजापुर जिले में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रशासन द्वारा संवेदनशील क्षेत्रों में गश्त बढ़ा दी गई है और लोगों से सहयोग की अपील की गई है।

कांग्रेस के परिसंपत्ति प्रभारी नितिन

» छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में संपत्तियों का लेंगे ब्योरा

रायपुर,02 जुलाई 2025(ए)। छत्तीसगढ़ में बहुचर्चित शराब घोटाले मामले में पूर्व मंत्री एवं विधायक कवासी लखमा की गिरफ्तारी और सुकमा का कांग्रेस भवन अटैच होने के बाद अब अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के परिसंपत्ति प्रभारी छत्तीसगढ़ दौरे पर आएंगे।प्रभारी नितिन कुम्बलकार का ये दौरा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लीकार्जुन खड़गे के दौरे के बाद 11 से 15 जुलाई तक प्रस्तावित है, जिसमें वे प्रदेश के लगभग सभी जिलों का दौरा कर कांग्रेस की संपत्ति का ब्योरा लेने वाले हैं। श्री कुम्बलकार 11 जुलाई से कवर्धा ज़िला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के साथ संपत्ति को लेकर अहम बैठक से शुरुआत करेंगे। 15 जुलाई को रायपुर जिला कांग्रेस कमेटी के साथ उनकी अंतिम बैठक होगी।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)